▪ फाल्गुन कृष्णा - 1 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 211 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 25-02-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

3 मोदी ने पिछले 10 वर्षों में परिवारवादी राजनीति के खिलाफ युद्ध छेड़ा : सूर्या

5 असम कैबिनेट ने मुस्लिम विवाह अधिनियम निरस्त करने की मंजूरी दी

7 दक्षिण भारतीय फिल्मों में डेब्यू को लेकर उत्साहित है जान्हवी कपूर

फर्स्ट टेक

यूक्रेन ने ए-50 को मार गिराकर रूसी निगरानी बेड़े को झटका दिया

कीव/एजेन्सी। यूक्रेन की सेना ने एक रूसी ए-50 निगरानी विमान को नष्ट कर दिया है। वायु सेना के कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर घोषणा करते हुए कहा, 'बायन' के नाम से जाने जाने वाले ए-50 ने अपनी अंतिम उड़ान भर ली है। उन्होंने परिष्कृत हवाई खतरों का मुकाबला करने में यूक्रेन के दृढ़ रुख पर भी जोर दिया। सैन्य सूत्रों ने विस्तार से बताया कि ए-50 का हश्र रूसी क्षेत्र में हुआ, ठीक रोस्तोव-ऑन-डॉन और क्रास्नोडार शहरों के बीच।

चीन में इमारत में आग लगने से 15 की मौत, 44 अन्य लोग घायल

बीजिंग/भाषा। चीन की एक इमारत में आग लगने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 44 अन्य लोग घायल हो गए। यहां एक महीने पहले इसी तरह की दुर्घटना में 39 लोगों की जान चली गई थी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत की राजधानी नानजिंग में स्थित एक इमारत में आग लगी। अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह लगी आग में झुलसे 44 लोगों का स्थानीय अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

पाकिस्तान सरकार ने ईरान के साथ गैस पाइपलाइन के निर्माण को दी मंजूरी

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान सरकार ने आखिरकार ईरान-पाकिस्तान (आईपी) गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इससे नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। अंतरिम सरकार की ऊर्जा पर मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीओई) ने पाकिस्तान के अंदर 80 किलोमीटर के खंड के पहले चरण के लिए कई वर्षों की देरी के बाद मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, पाकिस्तान सरकार ने ईरान-पाकिस्तान (आईपी) गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है।

सूर्यास्त 25-02-2024	सूर्योदय 26-02-2024
6:27 बजे	6:37 बजे

BSE	NSE
73,142.80	22,212.70
(-15.45)	(-4.75)

सोना	चांदी
6,459 रु.	72,245 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दौर पर ग़ौर

रिश्वतखोरी हो गई आम,
मंहगाई की लग रही झड़ी।
रुजगार लापता शहरों से,
वादों की रपटें घड़ी-घड़ी।
असमंजस में बैठे किसान,
उम्मीदें उनको बड़ी-बड़ी।
नेता निंदा में लगे पड़े,
जनता की दिखती खाट खड़ी।।

देश को आगे बढ़ाना कांग्रेस के एजेंडे में नहीं था : प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ में 34,427 करोड़ की 10 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विपक्षी दल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि कांग्रेस परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से आगे सोच ही नहीं पाती और आजादी के बाद उसने सिर्फ सरकार बनाने पर ध्यान दिया लेकिन देश को आगे बढ़ाना उसके एजेंडे में नहीं था।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ संकल्प यात्रा' कार्यक्रम में राज्य में 34,427 करोड़ रुपए की 10 विकास

परियोजनाओं का डिजिटल माध्यम से लोकार्पण और शिलान्यास किया।

इस दौरान मोदी ने कहा, कांग्रेस ने बार-बार सरकार बनायी लेकिन भविष्य का भारत बनाना भूल गई, क्योंकि उनके मन में केवल था कि सरकार बनानी है। देश को आगे बढ़ाना उनके एजेंडे में नहीं था। उन्होंने कहा, आज भी कांग्रेस की राजनीति की दशा और दिशा यही है। कांग्रेस परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से आगे सोच ही नहीं पाती। जो सिर्फ अपने परिवारों के लिए काम करते हैं, वे आपके परिवार के बारे में कभी नहीं सोच सकते। जो सिर्फ अपने बेटे-बेटियों का भविष्य बनाने में जुटे हैं, आपके बेटे बेटियों की चिंता कभी नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री ने कहा, लेकिन मोदी के लिए तो आप सब ही मोदी का परिवार हैं, आपके सपने ही मोदी का संकल्प हैं, इसलिए मैं आज 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़' की बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा, 2014 में मोदी ने गारंटी दी थी कि सरकार ऐसी होगी जिसके कारण पूरी दुनिया में हर भारतीय का माथा गर्व से ऊंचा होगा। इस गारंटी को पूरी करने के लिए मैंने अपने आप को खपा दिया।

हल्द्वानी हिंसा का मुख्य षड्यंत्रकारी दिल्ली से गिरफ्तार

हल्द्वानी/भाषा। उत्तराखंड में हल्द्वानी हिंसा के कथित मुख्य षड्यंत्रकारी अब्दुल मलिक को शनिवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रह्लाद नारायण मीणा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बिहार सहित विभिन्न राज्यों में मलिक और उसके बेटे अब्दुल मोईद की तलाश के लिए छह टीम गठित की गईं थीं। मीणा ने संवाददाताओं से कहा कि इनमें से एक टीम ने मलिक को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया, लेकिन उसका बेटा अब भी फरार है। मलिक ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में कथित तौर पर एक ''अवैध'' मदरसा बनाया था। इसे ढहाए जाने के कारण आठ फरवरी को हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में हिंसा फैल गई थी। मलिक ने प्रशासन की कार्रवाई का जबरदस्त तरीके से विरोध किया था और उसकी पत्नी साफिया ने मदरसे को गिराने के नगर निगम के नोटिस को चुनौती देने के लिए अदालत का रुख किया था।

तीन नए आपराधिक कानून एक जुलाई 2024 से प्रभावी होंगे

'हिंट एंड रन' से जुड़े मामलों से संबंधित प्रावधान तत्काल प्रभावी नहीं होंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए अधिसूचित किए गए तीन नए कानून - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम - एक जुलाई से लागू होंगे।

हालांकि, हिंट एंड रन' से जुड़े मामलों से संबंधित प्रावधान तत्काल प्रभावी नहीं होंगे।

तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिल गई और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन कानून को अपनी सहमति दे दी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी तीन अधिसूचनाओं के अनुसार, नए कानूनों के प्रावधान एक जुलाई से लागू होंगे। ये कानून औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे।

तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों को परिभाषित करके उनके लिए सजा तय करके देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है।

वहीं, सरकार ने वाहन चालक द्वारा हिट एंड रन के मामलों से संबंधित प्रावधान को लागू नहीं करने का निर्णय लिया है, जैसा कि ट्रक चालकों से वादा किया गया था। ट्रक चालकों ने इन प्रावधानों का विरोध किया था।

इंडि गठबंधन में सीट बंटवारे पर सात राज्यों में सहमति : वेणुगोपाल

▪ इंडि गठबंधन ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली गोवा, गुजरात, हरियाणा और चंडीगढ़ में महत्वपूर्ण सीटों के बंटवारे पर मुहर लगा दी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा है कि इंडि गठबंधन के बीच सात राज्यों में सीटों के बंटवारे पर सहमति हो गयी है जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में इस मुद्दे पर अभी खामोशी है।

वेणुगोपाल ने शनिवार को ट्वीट कर कहा , पिछले सप्ताह के दौरान इंडि गठबंधन ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली गोवा, गुजरात, हरियाणा और चंडीगढ़ में महत्वपूर्ण सीटों के बंटवारे पर मुहर लगा दी है और उम्मीद है कि गठबंधन अन्य सीटों के लिए भी जल्द ही सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इंडि गठबंधन में सीटों के बंटवारे का काम चल

रहा है लेकिन राजग में इस मुद्दे पर खामोशी है क्योंकि वह अवसरवादी गठबंधन है। उन्होंने सवाल किया राजग में क्या हो रहा है। क्या सभी गलत सोच वाले, भ्रष्ट और अवसरवादी 'एम एंड ए' सौदे भाजपा की रातों की नींद हराम कर रहे हैं। बिहार में अभी तक सीटों का बंटवारा क्यों नहीं हुआ। महाराष्ट्र में लोकतंत्र पर हथौड़ा उठाया है। जो पार्टी 400 से अधिक सीटें जीतने का दावा करती है क्या उसे उन दलों ने बंधक बना लिया है जिन्हें वह हड़पना चाहती थी।

इस बीच कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक तथा आम आदमी पार्टी के नेता संदीप पाठक और आतिशी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस की बीच सीटों के बंटवारे को लेकर समझौता हो गया है। समझौते के तहत चांदनी चौक, उत्तरी पूर्वी दिल्ली तथा पश्चिमी दिल्ली सीट से कांग्रेस लड़ेगी और शेष चार सीटों पर आम आदमी पार्टी अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी।

पाकिस्तान में दो मार्च तक नई सरकार के गठन की संभावना

इस्लामाबाद/भाषा। सत्ता साझा करने संबंधी समझौते के बाद पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी दो मार्च तक गठबंधन सरकार बनाने और नौ मार्च से पहले राष्ट्रपति चुनाव कराने की योजना बना रही हैं। मीडिया की एक खबर में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) का समर्थन मिलेगा। ये दोनों दल आठ फरवरी को हुए चुनाव के बाद मिलकर नई सरकार बनाने पर सहमत हुए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ (72) के एक बार फिर से शीर्ष पद संभालते नजर आएंगे। शहबाज के बड़े भाई नवाज ने पीएमएल-एन अध्यक्ष को प्रधानमंत्री पद के लिए नामित करने का फैसला किया है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री ऐसी सरकार का नेतृत्व नहीं करना चाहते जिसमें पीएमएन-एल के पास संसद में बहुमत नहीं है।

हरदम राष्ट्रविरोधी बातें करने वालों से सावधान रहें युवा : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को युवाओं से राष्ट्रहित को हमेशा सर्वोपरि रखने और ऐसे तत्वों से सावधान रहने को कहा जो हमेशा भारत विरोधी कहानियां गढ़ने और फैलाने में लगे रहते हैं और इस काम से उनका मन नहीं ऊबता।

धनखड़ राजधानी में दिल्ली विश्वविद्यालय के 100वें वार्षि दीक्षांत समोरोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होनें कहा कि विकसित भारत की राह की सफलता की कुंजी देश की युवा पीढ़ी के हाथ में है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के युवाओं को न केवल अपने लिए बल्कि देश और पूरी दुनिया के लिए अपनी विशिष्ट छाप छोड़नी है क्यों कि 'हम वसुधैव कुटुंब' की अवधारणा में विश्वास रखते हैं।

धनखड़ ने युवा छात्र-छात्राओं को विकसित भारत की मैराथन यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए उनसे राष्ट्र विरोध में लगे, और राष्ट्र सेवा की बात आने पर अराजकता फैलाने में लगे लोगों के प्रति हमेशा सजग रहने का आह्वान करते हुए कहा, आप उन लोगों से सावधान रहें जिनकी राष्ट्र विरोधी बातें फैलाने की भूख कभी शांत नहीं होती। उन लोगों से सावधान रहें जो हमारी तेजी से हो रही आर्थिक वृद्धि और विकासात्मक उत्थान को शुतुर्मुग की तरह देखना ही नहीं चाहते। उन लोगों से सावधान रहें जो राष्ट्र की सेवा की बात आने पर अराजकता फैलाते हैं। उन्होंने युवावों को राष्ट्रहित को हमेशा सर्वोपरि रखने की अपील करते हुए कहा,मैं आपसे अपील करता हूं कि राष्ट्रहित को हमेशा सर्वोपरि रखें, इसका कोई विकल्प नहीं हो सकता। हमारे राष्ट्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कभी कम नहीं हो सकती। इसे दिन-रात शत-प्रतिशत बनाए रखना होगा।

मांगें पूरी होने तक आंदोलन खत्म नहीं करेंगे : किसान नेता पंधेर

चंडीगढ़/भाषा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने शनिवार को कहा कि 'दिल्ली चलो' मार्च में भाग ले रहे किसान अपनी मांगें पूरी होने तक आंदोलन खत्म नहीं करेंगे। उन्होंने यह संकेत भी दिया कि लोकसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू हो जाने के बाद भी किसानों का आंदोलन जारी रहेगा।

हजारों किसान हरियाणा से लगी पंजाब की खनौरी और शंभू सीमाओं पर अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और ट्रकों के साथ डेरा डाले हुए हैं। इससे पहले, फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के वास्ते उनके दिल्ली मार्च को सुरक्षा बलों द्वारा रोक दिया गया था।

18वीं सदी का अरबों का 'डूबा' खजाना ढूंढ़ेगा रोबोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोगोटा/एजेन्सी। कोलंबिया ने रोबोट की मदद से 316 साल पुराने 'सैन जोस' गैलियन (नौकायन जहाज) के कैरेबियन सागर में डूबने से खोए हुए हीरा-जवाहरात के खजाने को पुनः प्राप्त करने की योजना की घोषणा की है।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो चाहते हैं कि सैन जोस जिसे 1708 में अंग्रेजों ने डूबा दिया था, उसे वर्ष 2026 से पहले सतह पर लाया जाए। कोलम्बियाई सरकार के अनुसार, 20 बिलियन डॉलर (16 बिलियन पाउंड) की कीमत की लूट का माल ले जा रहा स्पेन के गैलियन अगले

तीन वर्षों के भीतर कैरेबियन सागर से बरामद किया जाएगा। अरबों रुपये का पन्ना, चांदी और सोने को ले जाने वाला स्पेन का गैलियन 1708 में ब्रिटिश नौसेना के हमले के कारण डूब गया था। स्पेन के राजा फिलिप वी के दरबार में बहूमूल्य रत्न पेश किये जाने वाले थे। इस दुर्घटना में जहाज में सवार 600 लोगों में से कुछ ही बच पाए थे। सूत्रों ने कहा, वर्ष 1708 में ब्रिटिश नौसेना के साथ झड़प के बाद सैन जोस कार्टाजेना के कोलंबियाई बंदरगाह पर डूब गया था। इतिहासकारों का मानना है कि जहाज उस समय एक बहूमूल्य खजाना ले जा रहा था, जिसमें 200 टन सोना, चांदी और पन्ना शामिल था।

आज के हिसाब से इस कार्गो की कीमत 20 अरब डॉलर आंकी गई है।

माघी पूर्णिमा स्नान

संगम नगरी में माघ मेले के पंचम स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर शनिवार को 'हर हर गंगे' उद्घोष के बीच शाम छह बजे तक लगभग 38.20 लाख लोगों ने गंगा और पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

सहज स्मृति योग

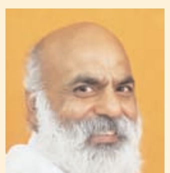

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, क्या किसी साधु संत को ध्यान लगाकर सुनने मात्र से हमें यह स्पष्ट हो सकता है कि उनकी प्रज्ञा प्रतिष्ठित है अथवा नहीं?

उत्तर: जो श्रोता के रूप में स्वयं हमारी अपनी प्रज्ञा प्रतिष्ठित हो तो इसका उत्तर हाँ है और जो नहीं हो तो, वही उत्तर ना है। पर, ऐसा तो होता है कि यदि हम सच्चे जिज्ञासु हों तो हमें प्रज्ञा प्रतिष्ठित व्यक्ति की भाषा किसी भी अवस्था में लयविहीन और कर्कश नहीं लगती। यह बात भी यथार्थ है कि आध्यात्मिक यात्रा के आरंभ में चेतना के उत्थान हेतु भाषाओं और परिभाषाओं की अनिवार्य भूमिका है परंतु जब चेतना पूर्णशुद्ध हो जाती है तो हमें अपने गुरु का साक्षात यथार्थ दर्शन हो जाता है तब वह भूमिका कुछ समयावधि के उपरांत स्वयं ही समाप्त होती चली जाती है। तब हम अनुशासन का अभ्यास कर अनिवार्य का निवारण करते हुए आवश्यक मात्र करने लगते हैं और अंतत: तात्त्विक की ओर बढ़ते जाते हैं। प्रज्ञा प्रतिष्ठित ही तत्त्वज्ञ है तत्त्वज्ञ ही प्रज्ञा प्रतिष्ठित है।क्योंकि, स्पष्टता को प्रमाणित करने का साध्य और साधन भी वही है।

अल्प-रोजगार भारत के लिए एक समस्या : पनगढ़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। श्रम सुधारों की वकालत करते हुए 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन और नीति आयोग के पूर्व चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने शनिवार को कहा कि भारत के लिए बेरोजगारी कोई समस्या नहीं है, लेकिन अल्प-रोजगार जरूर एक समस्या है। उन्होंने यहां दो दिवसीय एबीपी नेटवर्क के 'आइडियाज ऑफ इंडिया समिट 3.0' के समापन सत्र में उम्मीद जताई कि अगले 10 वर्षों में देश में नौकरियों की समस्या हल हो जाएगी। उन्होंने कहा, मेरे विचार में बेरोजगारी वास्तव में भारत की समस्या नहीं है। हमारी समस्या अल्प-रोजगार है, इसलिए उत्पादकता कम है। ऐसे में जो काम एक व्यक्ति कर सकता है, वह अक्सर दो लोगों या शायद तीन लोगों द्वारा किया जाता है। इसलिए मैं सोचता हूं कि नौकरियों की वास्तविक चुनौती अच्छी तनख्वाह वाली उच्च उत्पादकता वाली नौकरियां पैदा करना है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की भाषा में भारत एक श्रम-प्रचुर और पूंजी-कमी वाला देश है।

पनगढ़िया ने कहा, हमें ऐसी स्थिति मिली, जहां अधिकांश पूंजी बहुत कम श्रमिकों के साथ काम कर रही है। दूसरी ओर कृषि, सूक्ष्म और लघु उद्यमों में श्रमिकों की एक बड़ी संख्या है, जहां पूंजी मुश्किल से मौजूद है। बहुत सारे श्रमिक हैं, जो बहुत कम पूंजी के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश को अभी भी श्रम और व्यापार कानूनों को ठीक करने की जरूरत है, अन्य देशों की तुलना में, सुरक्षा का स्तर ऊंचा है जिसे कम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, भारत में आम सहमति बनाना लोकतांत्रिक सुधार प्रक्रिया का एक हिस्सा है, जिससे कानून पारित करना धीमी प्रक्रिया हो जाती है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में श्रम कानून पेश किए गए थे। इसके बाद, किसी भी सरकार ने साहस नहीं दिखाया। मोदी सरकार ने कानून पारित किए गए हैं। अब राज्यों को कानूनों को लागू करने के लिए नियम तैयार करने हैं।

सुधारों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, श्रम कानूनों का कार्यान्वयन, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और बैंकों का निजीकरण कुछ महत्वपूर्ण सुधार हैं जिन्हें करने की आवश्यकता है।

पनगढ़िया ने कहा कि कुल मिलाकर हम एक अच्छी स्थिति में हैं। ये समस्याएं हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हम अगले 10 वर्षों में इन्हें हल कर लेंगे। मैं बहुत आशावादी हूं कि नौकरियों की समस्या भी हल हो जाएगी।

अगस्त तक लगभग 65,000 कार्यात्मक पैक्स को कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि लगभग 65,000 कार्यात्मक प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) को उनकी दक्षता में सुधार के लिए इस साल अगस्त तक कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा। अब तक 18,000 पैक्सों में कंप्यूटरीकरण का काम पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देशभर की 18,000 पैक्स में कम्प्यूटरीकरण की परियोजना का उदघाटन किया। शाह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, मुझे खुशी है कि 65,000 पैक्स में से 18,000 पैक्स का कम्प्यूटरीकरण पूरा हो चुका है। चुनाव से पहले 30,000 पैक्स का कम्प्यूटरीकरण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगस्त, 2024 तक सभी पैक्स का कम्प्यूटरीकरण हो जाएगा।

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने पिछले साल जून में 2,516 करोड़ रुपए से इन पैक्स के कम्प्यूटरीकरण को मंजूरी दी थी।

इससे पैक्स को अपने व्यवसाय में विविधता लाने और कई सेवाएं शुरू करने में भी मदद मिलेगी।

शाह ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि मॉडल उपनियम को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने लागू किए हैं, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल के हों। उन्होंने कहा कि इन मॉडल उपनियमों को अपनाने से पीएसी अब नए क्षेत्रों में विविधता ला सकती है। शाह ने कहा कि पैक्स में स्थापित गोदाम किसानों के लिए सभी आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराएंगे।

चेक वितरित

झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) सुजीत नारायण प्रसाद अन्य अधिकारियों के साथ पलाशबोनी गांव में 'डालसा' कार्यक्रम के दौरान गरीब ग्रामीणों को चेक वितरित करते हुए।

पूर्व एमएलसी सहित कई पहाड़ी कार्यकर्ता भाजपा में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के एक पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सहित बड़ी संख्या में पहाड़ी कार्यकर्ता शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प लिया। भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई के प्रमुख रवींद्र रैना ने नए लोगों का पार्टी में स्वागत किया, जिनमें से ज्यादातर नेशनल कॉन्फ्रेंस से जुड़े हुए थे।

वर्ष 2019 में नेशनल पैंथर्स पार्टी से नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए विधान परिषद के पूर्व सदस्य (एमएलसी) सैयद मोहम्मद रफीक शाह और उनके समर्थक जम्मू में पार्टी के राज्य मुख्यालय में भाजपा में शामिल हो गए।

केंद्र सरकार द्वारा इस महीने की शुरुआत में पहाड़ी भाषी लोगों सहित चार और समुदायों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने के बाद पूर्व मंत्री मुश्ताक अहमद शाह बुखारी और पूर्व एमएलसी शाहनाज गनई सहित कई प्रमुख पहाड़ी नेता पहले भाजपा में शामिल हुए थे।

उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले के त्रेहगाम क्षेत्र निवासी शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास, शांति और समाज के वंचित वर्गों को न्याय प्रदान करने के प्रयासों को देखते हुए मैंने भाजपा में शामिल होने का एक सचेत निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पच्चीस वर्षों से अधिक समय तक जम्मू कश्मीर पहाड़ी जनजातीय आंदोलन के अध्यक्ष के रूप में, वे समुदाय के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिसे अंततः मोदी सरकार ने पूरा किया।

गत 20 फरवरी को जम्मू में प्रधानमंत्री की जनसभा में नजर आए शाह ने कहा, पिछली सरकारों ने हमें केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया, लेकिन मोदी सरकार ने न्याय किया।

एक अलग समारोह में, राजौरी के कोटरंका से प्रमुख नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता मोहम्मद अयूब पहलवान के नेतृत्व में दर्जनों पहाड़ी कार्यकर्ता रैना की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। भाजपा नेता ने कहा, राजनीतिक दिग्गजों का भाजपा में शामिल होना प्रधानमंत्री द्वारा जम्मू कश्मीर में किए गए कार्यों पर मुहर है।

रैना ने कहा कि पार्टी के दरवाजे हर उस व्यक्ति के लिए खुले हैं, जो इसमें शामिल होना चाहता है और लोगों की सेवा करना चाहता है।

अडाणी ने उबर के साथ भविष्य में सहयोग का संकेत दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अरबपति गौतम अडाणी ने शनिवार को उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही से मुलाकात की, जो इस समय भारत के दौरे पर हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने समूह और उबर के बीच भविष्य में सहयोग की संभावना के संकेत भी दिए। सोशल मीडिया मंच एक्स पर दोनों व्यापारिक नेताओं ने भारत की वृद्धि गाथा और उपमहाद्वीप के लिए उनके नजरिए पर चर्चा की।

अडाणी ने एक्स पर एक पोस्ट पर कहा, उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही के साथ बेहद दिलचस्प बातचीत हुई। भारत में उबर के विस्तार के लिए उनका दृष्टिकोण वास्तव में प्रेरणादायक है, विशेष रूप से भारतीय ड्राइवरों और उनकी गरिमा बढ़ाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता। दारा और उनकी टीम के साथ भविष्य में सहयोग के लिए उत्साहित हूं।

उबर के सीईओ ने कहा कि उन्होंने ''बेहद शानदार बातचीत'' के लिए नाश्ते पर अडाणी समूह के प्रमुख से मुलाकात की। उन्होंने भारत में ईवी रूपांतरण में तेजी लाने के लिए अपनी कंपनी की प्रतिबद्धता का भी जिक्र किया। अडाणी ने मुलाकात की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, लेकिन दोनों ने यह नहीं बताया कि मुलाकात कहां हुई। तस्वीरों से ऐसा लग रहा है कि यह बैठक अहमदाबाद में अडाणी समूह के मुख्यालय में हुई थी।

दारा ने अडाणी की पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, स्वादिष्ट नाश्ते के साथ भारत की अभूतपूर्व वृद्धि और बढ़ती उद्यमशीलता के बारे में गौतम अडाणी के साथ एक बहुत ही शानदार बातचीत हुई। उबर साझा गतिशीलता को बढ़ाने और ईवीएस में बदलाव को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपनी साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने के लिए तत्पर है। उबर के सीईओ इस सप्ताह की शुरुआत में भारत पहुंचे थे।

दलितों के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रही है केंद्र सरकार : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश में दलित समुदाय के प्रति 'शत्रुतापूर्ण दृष्टिकोण' अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वंचित वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति राशि बंद करना इसका स्पष्ट उदाहरण है। विजयन ने कहा कि राज्य में वामपंथी सरकार समाज में न्याय सुनिश्चित करने तथा दलित और आदिवासी समुदायों के सामाजिक-सांस्कृतिक एवं आर्थिक उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए कई कार्यक्रम लागू कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पिछड़े समुदायों के लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के अलावा समाज में व्याप्त अमानवीय जाति व्यवस्था को जड़ से खत्म करने का भी प्रयास कर रही है।

विजयन ने कन्नूर जिले में आदिवासी और दलित समुदाय के लोगों के साथ एक चर्चा कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने पिछड़े वर्गों के बच्चों के उत्थान के लिए अपनी सरकार द्वारा लागू किए जा रहे विभिन्न उपायों का विवरण देते हुए केंद्र पर उनकी उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया।

विजयन ने कहा, केंद्र सरकार दलित समुदाय के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रही है। इसका स्पष्ट उदाहरण उनकी छात्रवृत्ति राशि रोक देना है।

शादी का झांसा देकर रिश्तेदार से बलात्कार के आरोप में छत्तीसगढ़ के फिल्म अभिनेता मनोज गिरफ्तार

दुर्ग/भाषा। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अपनी करीबी रिश्तेदार को शादी का झांसा देकर पिछले 13 साल से कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने क्षेत्रीय सिनेमा के एक अभिनेता को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ी फिल्म के अभिनेता, निर्देशक और निर्माता मनोज राजपूत को 29 वर्षीय पीड़िता की शिकायत के आधार पर शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पीड़िता ने 22 फरवरी की रात को पुराने भिलाई शहर के राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई कि राजपूत उसके साथ शादी करने का झांसा देकर 2011 से उसका यौन शोषण कर रहा है।

थानाध्यक्ष (एसएचओ) राजकुमार बोरझा ने बताया कि महिला ने राजपूत पर अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बताया, जब राजपूत ने पीड़िता से शादी करने से इंकार किया तब उसने पुलिस में शिकायत की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 377 और 506 तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधान के तहत मामला दर्ज किया गया, क्योंकि जब वह नाबालिग थी तब से उसका कथित तौर पर शोषण किया जा रहा था।

आयुर्वेदिक दवा की दुकान से जंगली जानवरों के शरीर के अंग बरामद

विदिशा/भाषा। मध्य प्रदेश के विदिशा शहर में वन अधिकारियों ने आयुर्वेदिक दवा की एक दुकान पर छापेमारी कर 'जादू टोना' और 'शक्ति बढ़ाने' के उपचार में इस्तेमाल होने वाले जंगली जानवरों के शरीर के अंगों को जब्त कर लिया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। वन उपमंडल अधिकारी (एसडीओ) विजय मौर्य ने कहा कि बड़ा बाजार इलाके में स्थित आयुर्वेदिक दवा की दुकान और उसके गोदाम पर शुक्रवार को छापा मारा गया। उन्होंने कहा कि हाल ही में दिल्ली और जबलपुर में वन्यजीव जानवरों के शरीर के अंगों की तस्करी में शामिल एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ था और इसके सदस्यों ने खुलासा किया कि उन्होंने विदिशा में आयुर्वेदिक दवा की एक दुकान को कुछ आपूर्ति की थी।

मौर्य ने कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए यह छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान बारासिंघा और सांभर के सींग, हाथी दांत का पाउडर, खरगोश के दांत, पूंछ और नाखून सहित जंगली जानवरों के शरीर के अन्य अंग भी जब्त किए गए।

आईआरएफ का यात्री बसों, भारी वाहनों में सीट बेल्ट अनिवार्य करने का अनुरोध

नई दिल्ली/भाषा। सड़क सुरक्षा के वैश्विक निकाय इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (आईआरएफ) ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) से सड़क दुर्घटनाओं में हताहतों और घायलों को कम करने के लिए यात्री बसों और स्कूल बसों सहित सभी भारी वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य करने का आग्रह किया है।

आईआरएफ के मानद अध्यक्ष के के कपिला ने मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा कि बसों में सीट बेल्ट उपलब्ध कराने की तत्काल जरूरत है, जिसे अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, दिल दहला देने वाली यात्री बस दुर्घटनाएं हुई हैं जिनमें निर्दोष लोगों की जान चली गई। उनमें से कई लोग बच गए होते, अगर उन्होंने सीट बेल्ट लगा रखी होती। कपिला ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन के 2021 के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में बस दुर्घटनाओं में केवल 14 व्यक्तियों की जान गई। इसी तरह, 2022 में चीन ने 215 मौतों की सूचना दी। उन्होंने बताया कि विकासशील और विकसित दोनों देशों ने बसों जैसे सार्वजनिक परिवहन के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को अपनाकर उल्लेखनीय परिणाम हासिल किए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
DNR Highline @ Okalipuram
near LULU Mall Rajajinagar
3 & 4 BHK FLATS
with 7 Star Luxurious
Amenities.
Only Few Flats available for Sale.
for details
Contact Owner: 9844027560

सेना की उत्तरी कमान के कमांडर ने कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिन्द्र कुमार ने कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और बल की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। यह जानकारी सेना ने शनिवार को दी। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने घाटी के अपने पहले दौरे के दौरान, जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर आर स्वैन से भी मुलाकात की। सेना की उत्तरी कमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिन्द्र कुमार, चिनार कोर के कमांडर के साथ मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए विक्टर और किलो फोर्स का दौरा किया। उन्हें आतंकवाद-रोधी ढांचे, सुरक्षा बल और नागरिकों के बीच संपर्क और संचालनात्मक तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। उसने कहा कि कमांडर ने इनकी परिचालन तत्परता की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि अपने दौरे के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने घुसपैठ रोधी ढांचे और भीतरी इलाकों में चल रहे आतंकवाद रोधी अभियानों की समीक्षा करने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ आगे के क्षेत्रों का भी दौरा किया। उन्होंने सुरक्षा बल के जवानों और अधिकारियों से परिचालन तैयारियों पर ध्यान केंद्रित रखने और अत्यधिक उत्साह और जोश के साथ काम जारी रखने का आह्वान किया। सेना कमांडर ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति और भविष्य के अभियानों के लिए तालमेल बनाने पर डीजीपी स्वैन और अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी चर्चा की।

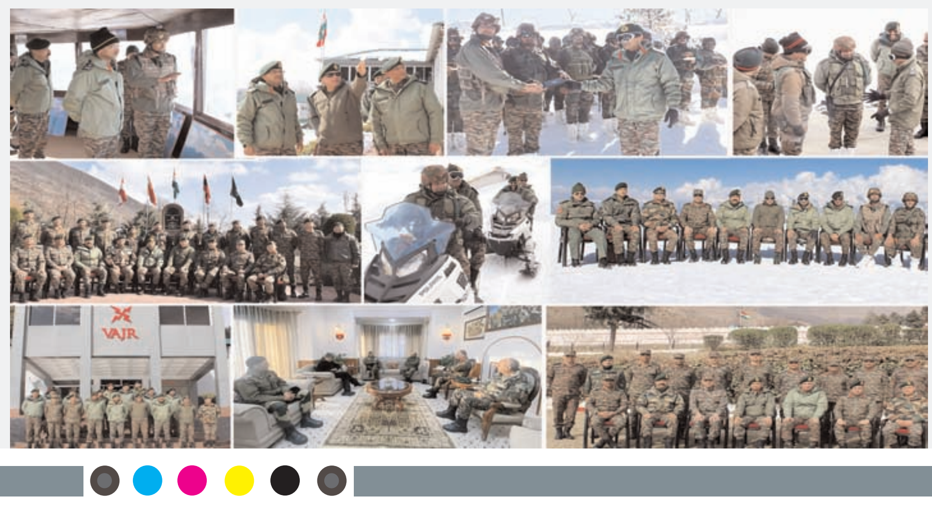

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस को झटका, विधान परिषद में गिरा मंदिर विधेयक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में 10 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले मंदिरों से कोष एकत्र करने संबंधी कांग्रेस सरकार का एक विधेयक विधान परिषद में विपक्षी भाजपा-जद(एस) गठबंधन के चलते गिर गया। कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक 2024 को इस सप्ताह की शुरुआत में विधानसभा से मंजूरी मिल गई थी। शुक्रवार को उच्च सदन में ध्वनिमत से विधेयक गिर गया, जहां विपक्षी दलों के पास बहुमत है।

विधेयक में 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये के बीच वार्षिक आय वाले मंदिरों से पांच प्रतिशत और एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले मंदिरों से 10 प्रतिशत राशि एकत्रित करने का प्रस्ताव है। विधेयक में कहा गया है कि एकत्रित धन को 'राज्य धार्मिक परिषद' द्वारा प्रशासित एक साझा कोष में डाला जाएगा, जिसका उपयोग पांच लाख से कम आय वाले 'सी' श्रेणी के मंदिरों (राज्य नियंत्रित) के अर्चकों (पुजारियों) के कल्याण के लिए किया जाएगा।

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष कोटा श्रीनिवास पुजारी ने पुजारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के कदम का स्वागत किया, हालांकि मंदिरों द्वारा अर्जित राजस्व के दुरुपयोग का विरोध किया। उन्होंने सवाल किया कि सरकार उनके कल्याण के लिए बजट के तहत धन क्यों नहीं दे सकती।

विपक्ष ने विधेयक में मंदिर समिति के अध्यक्ष को सरकार द्वारा मनोनीत करने के प्रस्ताव का भी विरोध किया। 'मुजराई' मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने विपक्ष को समझाने की कोशिश करते हुए सदन को आश्वासन दिया कि सरकार मंदिर समिति के अध्यक्ष के मनोनयन में हस्तक्षेप नहीं करेगी और मंदिरों से साझा कोष में दी जाने वाली प्रस्तावित राशि को भी कम करेगी। विपक्ष ने विधेयक पारित करने से पहले इसमें संशोधन किए जाने पर जोर दिया, जिसको देखते हुए रेड्डी ने सोमवार तक का समय मांगा और कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के साथ इस पर चर्चा करने की जरूरत है क्योंकि इसमें वित्तीय निहितार्थ शामिल हैं। हालांकि, सभापति के रूप में मौजूद उप सभापति एम. के. प्रणेश ने सोमवार तक का समय न देते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है क्योंकि सदन पहले ही विधेयक पर विचार कर चुका है। इसके बाद विधेयक पर मतदान हुआ और यह विपक्षी भाजपा-जद(एस) गठबंधन के संख्या बल की वजह से गिर गया।

सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत

बेलगावी। कर्नाटक के बेलागावी जिले से लगभग 90 किलोमीटर दूर दत्त जंबोटी रोड पर हुई दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को हुई दुर्घटना में पांच लोगों की घटनास्थल पर जबकि एक अन्य की अस्पताल में मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार एक कार ने खड़े हुए दोपहिया वाहन और फिर एक अन्य दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, खड़े हुए वाहन के पास मौजूद दो लोगों को गंभीर चोट आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, उनमें से हनमंत मलप्पा माल्यागोल नामक व्यक्ति की अस्पताल में मृत्यु हो गई।

पुलिस ने कहा कि अन्य मृतकों की पहचान एकनाथ भीमप्पा पदतारी (22), मल्लिकार्जुन रामप्पा मराठे (16), आकाश रामप्पा मराठे (14), लक्ष्मी रामप्पा मराठे (19) और नागपा लक्ष्मण यादवन्नावर (48) के रूप में हुई है। मुर्गोड पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

बेलगावी जिले के पुलिस अधीक्षक भीमाशंकर गुलेद ने कहा कि पिछले तीन दिन में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में 25 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और तेज गति से वाहन चलाने से बचने की अपील की।

संविधान का विरोध करने वाले लोग नकारात्मक दुष्प्रचार में शामिल : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शनिवार को कहा कि लंबे समय से यह नकारात्मक दुष्प्रचार किया जा रहा है कि संविधान केवल दलितों को 'मुक्ति' दिलाने के लिए है। उन्होंने यहां पैलेस ग्राउंड में 'संविधान और राष्ट्रीय एकता सम्मेलन' का उद्घाटन करने के बाद कहा कि नकारात्मक दुष्प्रचार को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। सम्मेलन का आयोजन समाज कल्याण विभाग ने किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान विरोधी लोग नकारात्मक दुष्प्रचार में शामिल हैं, जबकि संविधान स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का स्पष्ट रूप से उल्लेख करता है। सिद्दरामैया ने कहा, संविधान के 26 जनवरी 1950 को लागू होने के बाद से यह दुष्प्रचार किया जा रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यदि संविधान को बचाया जाता है तभी हम लोग बचेंगे। अन्यथा हम खतरे में पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि सामाजिक असमानता का उन्मूलन करना प्रत्येक सरकार की जिम्मेदारी है।

सिद्दरामैया ने कहा, ''सामाजिक एवं आर्थिक असमानता वाले समाज में राजनीतिक लोकतंत्र तभी सफल हो सकता है जब यह सामाजिक लोकतंत्र की बुनियाद पर आधारित हो।'

' उन्होंने कहा, ''संविधान को सफल बनाने के लिए, यह जानना जरूरी है कि शक्ति किसके हाथों में है। संविधान तभी सफल होगा जब यह इसे और समानता का समर्थन करने वालों तथा एक मानवीय समाज का निर्माण करना चाह रहे लोगों के हाथों में होगा।''

मुख्यमंत्री ने संविधान पढ़ने की सलाह देने वाले बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में कई देशों के संविधानों को पढ़ा और समझा और संविधान का निर्माण इस प्रकार किया कि देश की समस्याओं का समाधान सुझा सकें। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान सबसे महान संविधान है.

इसी अवसर पर मुख्यमंत्री ने सर्वोत्तम गतिविधियों के आयोजन के लिए तुमकुर जिले, दावणगेरे, मैसूर, कोडागु, बेल्लारी जिलों को पुरस्कार और स्मृति चिन्ह वितरित किए। कार्यक्रम में विधान परिषद के सभापति बसवराज होरटी, समाज कल्याण मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा, सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश गोपाल गौड़ा, उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश नागमोहन दास, मंत्री प्रियंका खरगे विधायक सोमशेखर, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने भाजपा पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने विधान परिषद में हिंदू मंदिरों पर कर लगाने वाले विधेयक के पारित नहीं होने के लिए शनिवार को विपक्ष, खासकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराया और भाजपा पर इस संबंध में 'झूठी सूचना' फैलाने का आरोप लगाया।

इस सप्ताह की शुरुआत में विधानसभा में पारित कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक, 2024 को शुक्रवार को विधान परिषद में पारित नहीं हो सका। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के पास बहुमत है।

सिद्दरामैया ने कहा, ''इसमें कुछ भी नहीं था, उन्होंने (भाजपा नीत विपक्ष) जानबूझकर ऐसा किया। वे गलत सूचनाएं फैला रहे हैं। इस विधेयक में संपन्न हिंदू मंदिरों से पैसे का एक हिस्सा लेकर उन हिंदू मंदिरों को देने का प्रावधान था, जिनके पास कम दान या चंदा आता है या फिर बिल्कुल दान नहीं आता। इसका उपयोग किसी अन्य धार्मिक स्थानों के लिए नहीं किया जाता।''

उन्होंने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''अगर हम इस उद्देश्य से विधेयक लाते हैं, तो विपक्ष इसे परिषद में गिरा देता है क्योंकि उनके पास वहां बहुमत है।''

भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस सरकार पर हिंदुओं का पैसा लूटने की योजना बनाने का आरोप लगाये जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे (भाजपा) लूट रहे थे इसलिए राज्य के लोगों ने पिछले विधानसभा चुनाव में उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया।'' विधेयक में उन मंदिरों से पांच प्रतिशत कर वसूलने का प्रस्ताव था जिनकी सकल आय 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये के बीच है, जबकि जिन मंदिरों की आय एक करोड़ रुपये से अधिक है उनसे 10 प्रतिशत कर लेने का प्रावधान था।

महिला से चेन छीनने की घटना में दो गिरफ्तार

मंगलूरु। मंगलूरु पुलिस ने बाजल में एक महिला से सोने की चेन छीनने की घटना में कथित रूप से शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दो में एक आरोपी के खिलाफ तीन राज्यों में जबरन वसूली के मामले दर्ज हैं।

मंगलूरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने पीटीआई भाषा' को बताया कि शहर के बाजल इलाके में पैदल जा रही एक महिला की सोने की चेन छीन कर फरार हुए दो अपराधियों को पुलिस ने पकड़ लिया और उनके पास से 90 हजार रुपये कीमत की चेन भी बरामद कर ली। अग्रवाल ने बताया कि आरोपियों की पहचान 32 वर्षीय बंटवाला निवासी मोहम्मद अली उर्फ असरू और जुबैर (32) के तौर पर हुई है। उनके मुताबिक, मोहम्मद अली से पूछताछ में पता चला कि उसके खिलाफ कर्नाटक, महाराष्ट्र में जबरन वसूली समेत अन्य आरोपों में 15 मामले दर्ज हैं।

गारंटी योजनाएं अगले कार्यकाल में भी जारी रहेंगी : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा।उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार के अगले कार्यकाल के दौरान गारंटी योजनाएं जारी रहेंगी। शिवमोग्गा में गारंटी योजनाओं के लाभार्थियों के एक सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं युवाओं, किसानों और महिलाओं को आश्वस्त करना चाहता हूं कि गारंटी योजनाओं को किसी भी कीमत पर बंद नहीं किया जाएगा। भाजपा नेता गारंटी योजनाओं के बारे में झूठ फैला रहे हैं।` वल शेष चार वर्षों में ही नहीं, ये गारंटी योजनाएँ हमारे अगले कार्यकाल के दौरान भी प्रभावी रहेंगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा भावनाओं की राजनीति करती है जबकि हमारी राजनीति आजीविका की है। आज भाजपा राम मंदिर बनाने का श्रेय ले रही है लेकिन उन्हें नहीं भुलना चाहिए कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ही थे जिन्होंने पहली बार अयोध्या में प्रार्थना की अनुमति दी थी। हमारी गारंटी योजनाएं किसी जाति या पंथ पर आधारित नहीं हैं बल्कि सभी पर लागू होती हैं। गारंटी योजनाएं उन लोगों की मदद कर रही हैं जो महंगाई से बुरी तरह प्रभावित हैं और बेरोजगार हैं।

कर्नाटक पब्लिक स्कूल

हमारी सरकार ने प्रत्येक दो से तीन पंचायतों के लिए एक आधुनिक कर्नाटक पब्लिक स्कूल शुरू करने का निर्णय लिया है। ये स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों और गरीब लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लाएंगे। हमारी सरकार वन क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों को बेदखल नहीं करेगी। हमारी सरकार शरवती परियोजना से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी ने पिछले 10 वर्षों में परिवारवादी राजनीति के खिलाफ युद्ध छेड़ा : सूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु दक्षिण से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 सालों में न केवल परिवारवादी राजनीति के खिलाफ युद्ध छेड़ा है, बल्कि देश के आर्थिक क्षेत्र को भी लोकतांत्रिक बनाया है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रमुख ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'वंशवादी' बताते हुए कहा कि वह आज जो कुछ हैं, केवल इसलिए हैं कि उन्हें अपने माता-पिता और परिवार की आर्थिक और राजनीतिक विरासत मिली है।

उन्होंने पीटीआई की वीडियो सेवा से कहा, ''राहुल गांधी जैसे वंशवादी, देश की अर्थव्यवस्था को केवल वंशवाद के चश्मे से देख सकते हैं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में यह हुआ है कि प्रधानमंत्री ने न केवल राजनीति में वंशवाद के खिलाफ युद्ध छेड़ा, बल्कि उन्होंने इन वर्षों में देश के आर्थिक क्षेत्र को भी लोकतांत्रिक बनाया है। इसका श्रेय सरकार द्वारा किये गए बहुआयामी प्रयासों को जाता है।''

वह कांग्रेस के इस विमर्श पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि मोदी सरकार कुछ उद्योगपतियों के इशारे पर काम करती है। सूर्या ने कहा कि वर्तमान में, किसी भी व्यक्ति को भारत में पहली पीढ़ी के ऐसे अरबपति मिल सकते हैं जिन्हें कारोबार विरासत में नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अपने माता-पिता और परिवार की आर्थिक और राजनीतिक विरासत मिली है तथा वह देश की अर्थव्यवस्था के लोकतंत्रीकरण को स्वीकार करने व मान्यता देने के लिए तैयार नहीं हैं। सूर्या ने कहा कि भारत में पहली पीढ़ी के करोड़पति और अरबपति पिछले 70 वर्षों के दौरान किसी भी समय की तुलना में अभी सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा, आप यह बेतुका आरोप कैसे लगा सकते हैं कि यह देश और सरकार एक या दो पीढ़ी के उद्यमियों का समर्थन कर रही है।

भाजपा सांसद ने कहा, ''कोई भी व्यक्ति इस सरकार पर उद्योगपतियों के फायदे के लिए काम करने का आरोप कैसे लगा सकता है, जबकि यह मजबूत सपनों वाले युवाओं को सशक्त बना रही है, मेहनती युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है...।''

सूर्या ने कहा कि यदि आम चुनाव में कर्नाटक में भाजपा सभी सीट पर जीत दर्ज करती है तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं होगी। उन्होंने राज्य में सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर भ्रष्ट होने का आरोप लगाया। उन्होंने 10 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले मंदिरों से धन संग्रहित करने का प्रावधान करने वाले कर्नाटक सरकार के विधेयक के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जो सरकार धर्मनिरपेक्ष होने का दावा करती है, उसे लंबे समय तक मंदिरों का संचालन क्यों करना चाहिए? भाजपा सांसद ने केंद्र द्वारा उठाये गए विभिन्न कदमों को रेखांकित करते हुए कहा, ''यह तर्क कि सरकार किसान विरोधी है, खुद किसानों ने नहीं दिया है।''

विज्ञान प्रदर्शनी

बेंगलूरु में शनिवार को आईआईएससी में आईआईएससी ओपन डे के दौरान विज्ञान प्रदर्शनियों ने बच्चों और छात्रों को आकर्षित किया।

ईडी के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय में तमिलनाडु सरकार की याचिका पर न्यायालय ने उठाया सवाल

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन के एक मामले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करने पर तमिलनाडु सरकार से जवाब तलब किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने अवैध रेत खनन मामले की जांच के सिलसिले में वेल्लोर, तिरुचिरापल्ली, करूर, तंजावुर और अरियालुर के जिलाधिकारियों को तलब किया था।

इस पर राज्य सरकार तथा नौकरशाहों ने मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया था जिसके बाद उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के समन पर रोक लगा दी थी। प्रवर्तन निदेशालय ने उच्च न्यायालय के इस आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है।

न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील से कहा, ''राज्य यह रिट याचिका कैसे दाखिल कर सकता है? किस कानून के तहत? आप हमें बताएं कि राज्य की इसमें क्या रुचि है और वह प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ यह रिट याचिका कैसे दायर कर सकता है।

भाजपा ने सिद्दरामैया को बताया 'सिद्धरमुल्ला खान', मुख्यमंत्री ने भाजपा को 'मुस्लिम विरोधी' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करवार। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को 'सिद्धरमुल्ला खान' करार देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनंतकुमार हेगड़े ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के शासन में कर्नाटक दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया है। उन्होंने सिद्दरामैया पर वोट हासिल करने के लिए राज्य को लूटने का आरोप लगाया।

हेगड़े पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने भाजपा को 'मुस्लिम विरोधी' और 'अल्पसंख्यक विरोधी' करार दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री हेगड़े ने कहा, ''मोदी, लोगों के लाभ के लिए 370 से अधिक योजनाएं या कार्यक्रम लेकर आये। कृषि हो, बागवानी, उद्योग, आवास या फिर जन औषधि लगभग सभी क्षेत्रों में मोदी, लोगों के कल्याण के लिए

योजनाएं लेकर आए हैं।'' उन्होंने कहा कि मोदी ने ऐसी योजनाएं शुरू नहीं कीं, जिससे सरकार दिवालिया हो जाए... बल्कि उन्होंने इसे मजबूत किया है। हेगड़े ने कहा कि भारत आज पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हेगड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी देश के हित से समझौता नहीं किया और उनकी सरकार की गारंटी ने ही देश को मजबूत बनाया है। हेगड़े ने कहा, ''लेकिन यहां हमारे सिद्धरमुल्ला खान गारंटी देने का दावा करते हैं जबकि सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने, विकास कार्यों के लिए, विधायकों को निधि प्रदान करने के लिए सरकार के पास पैसे नहीं हैं।'' उन्होंने कहा कि एससी/एसटी कोष के 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक निधि के पैसों को दूसरी जगह लगाया जा रहा है। हेगड़े ने कहा, ''राज्य सरकार दिवालिया हो रही है। मोदी ने ऐसी कोई गारंटी नहीं दी।'' मोदी की गारंटी और 'सिद्धरमुल्ला खान की गारंटी' के बीच अंतर करते हुए हेगड़े ने आरोप लगाया कि कांग्रेस वोट पाने के लिए राज्य को लूटना चाहती है। हेगड़े द्वारा 'सिद्धरमुल्ला खान' कहे जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि भाजपा 'अल्पसंख्यक विरोधी' है। सिद्दरामैया ने कहा, ''वे (भाजपा) सबका साथ-सबका विकास की बात करते हैं लेकिन वे मुसलमानों का विरोध करते हैं। अगर ऐसा नहीं है तो वह (हेगड़े) मुझे सिद्धरमुल्ला खान क्यों कहेंगे? वे अल्पसंख्यक विरोधी हैं।''

साइ किशोर, इंद्रजीत , कुमार ने तमिलनाडु को सौराष्ट्र पर बढत दिलाई

कोयंबटूर। कप्तान आर साइ किशोर, बाबा अपराजित और भूपति कुमार की अर्धशतकीय पारियों के दम पर तमिलनाडु ने सौराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के दूसरे दिन शनिवार को बढत बना ली। तमिलनाडु ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 300 रन बना लिये थे और उसके पास 117 रन की बढत है जबकि उसके चार विकेट शेष हैं। कल के स्कोर एक विकेट पर 23 रन से आगे खेलते हुए साइ किशोर (60) और नारायण जगदीशन (37) ने दूसरे विकेट के लिये 54 रन की साझेदारी की। पार्थ भूत ने जगदीशन को पगबाधा आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। पार्थ ने प्रदोष रंजन पॉल (13) को आउट करके मेजबान टीम को एक और झटका दिया। इसके बाद हालांकि साइ किशोर और इंद्रजीत ने 49 रन की साझेदारी की। सौराष्ट्र की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले साइ किशोर ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में तीसरा अर्धशतक जड़ा लेकिन जयदेव उनादकट की गेंद पर विकेट गंवा बैठे। भूपति (65) ने इंद्रजीत के साथ पांचवें विकेट के लिये 119 रन जोड़े।

कांग्रेस की विधायक एस. विजयधरानी भाजपा में शामिल

चेन्नई/नई दिल्ली/दक्षिण भारत। तमिलनाडु में लगातार तीन बार से विधायक कांग्रेस की नेता एस. विजयधरानी शनिवार को भारतीय जानता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। विजयधरानी के भाजपा में शामिल होने को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि वह राज्य में अपना जनाधार बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। विजयधरानी कन्याकुमारी लोकसभा क्षेत्र की विलावनकोड सीट से विधायक हैं। भाजपा कन्याकुमारी से अतीत में लोकसभा चुनाव जीत चुकी है।

विजयधरानी ने भाजपा में शामिल होने से पहले कांग्रेस से अपना त्याग पत्र 'एक्स' पर पोस्ट किया। वह केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व तमिलनाडु के चुनाव प्रभारी अरविंद मेनन की उपस्थिति में राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी में शामिल हुईं।

लोकसभा चुनाव : द्रमुक ने सहयोगियों को सीट आवंटन शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने शनिवार को अपने दो सहयोगी दलों को एक-एक लोकसभा सीट आवंटित की। द्रमुक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हिस्सा है।

अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू करने के कुछ सप्ताह बाद सीट बंटवारे के समझौते पर द्रमुक अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम के स्टालिन तथा गठबंधन दलों के नेताओं ने यहां पार्टी मुख्यालय 'अन्ना अरिवलयम' में हस्ताक्षर किए। मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक और भाजपा ने अभी तक अपने सहयोगियों की घोषणा नहीं की है।

द्रमुक की लंबे समय से सहयोगी रही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को दक्षिणी तमिलनाडु की रामनाथपुरम सीट आवंटित की गई, जबकि कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके) को नमक्कल सीट दी गई है।

आईयूएमएल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. एम. कादर मोहिदीन ने कहा कि रामनाथपुरम से उनकी पार्टी के मौजूदा सांसद नवास कानी को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए फिर से उम्मीदवार बनाया जाएगा।

जनजाति क्षेत्र में रिक्त पदों को भरने के लिए समयबद्ध हो प्रभावी कार्यवाही : कलराज मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने जनजाति क्षेत्रों में विभिन्न संवर्गों के रिक्त पदों को भरने के लिए समयबद्ध और प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। मिश्र शनिवार को राजभवन में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग से संबंधित विकास योजनाओं की विशेष समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी स्तरों पर यह सुनिश्चित किया जाए कि अनुसूचित क्षेत्र के लोगों को उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं का समुचित और समय पर लाभ मिले। उन्होंने जनजाति क्षेत्र में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़े जाने, उनके कौशल प्रशिक्षण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, विद्युत तथा पेयजल सेवाओं की उपलब्धता के लिए अधिकारियों को गंभीर होकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को गरीबी और अभावों से मुक्त कर समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने अनुसूचित क्षेत्र में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के बकाया प्रकरणों को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस संबंध में लापरवाही को भविष्य में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जनजाति क्षेत्रों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का सही रूप में और शतप्रतिशत लाभ मिले। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल की धीमी प्रगति पर रोष जताते हुए इसे गंभीरता से लेने के निर्देश दिए।

मिश्र ने आदिवासी क्षेत्रों में उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार कौशल प्रशिक्षण के लिए युवाओं को तैयार करने के लिए भी विशेष जोर दिया। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय उत्पादों के विपणन से जुड़ी उद्यमिता विकास गतिविधियों के क्रियान्वयन के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने जनजाति क्षेत्र विकास विभाग एवं जनजाति उपयोजना मद में बजट आवंटन और व्यय की गई राशि के संबंध में विशेष रूप से समीक्षा की तथा कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में लोगों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक स्तर को ऊंचा उठाने से संबंधित सभी योजनाओं की अधिकारी प्रभावी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने जनजाति क्षेत्र के आवासीय विद्यालयों, खेल छात्रावास, विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पदों के बारे में भी जानकारी ली तथा कहा कि इन्हें भरने के लिए कागजी कार्यवाही नहीं, परिणाममूलक ठोस प्रयास हों।

उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्र में शिक्षा का प्रसार ही वह माध्यम है जिससे वहां विकास को व्यावहारिक रूप में क्रियान्वित किया जा सकता है। अनुसूचित क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल उपलब्धता की प्रगति की राज्यपाल ने बैठक में विशेष समीक्षा की। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर ग्रामीण परिवार को नल से पानी के कनेक्शन की शतप्रतिशत पालना सुनिश्चित की जाए। इसमें किसी तरह की लापरवाही और कोताही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अनुसूचित क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केन्द्र के भवनों तथा उनमें पानी, बिजली, शौचालयों तथा उनके रखरखाव के लिए भी प्रभावी कार्य किए जाने पर जोर दिया। मिश्र ने प्रधानमंत्री पोषण योजना के क्रियान्वयन एवं प्रभाव की स्थिति पर भी बैठक में विशेष रूप से चर्चा की तथा कहा कि समेकित बाल विभाग सेवाओं को प्रभावी किया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को इन क्षेत्रो में स्थानीय उत्पादों की उद्यमिता से जोड़ा जाए। उन्होंने लघुवन उपज एवं औषधीय पौधों की विपणन व्यवस्था, मंडी निर्माण तथा इनके माध्यम से आदिवासियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भी अधिकाधिक कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि एक जिला एक उत्पाद आधारित उद्योगों को बढावा दिया जाए ताकि विशेष क्षेत्रों की अपनी उत्पाद पहचान बनें। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में फल और फसल उत्पादन प्रोत्साहन के साथ उनके प्रसंस्करण से जुड़ी इकाइयों की स्थापना के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। जनजाति क्षेत्र विकास विभाग मंत्री बाबू लाल खराड़ी ने कहा कि जनजातीय क्षेत्र के युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं में चयन के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था हो ताकि इन क्षेत्रों से भी भारतीय प्रशासनिक और पुलिस तथा अन्य सेवाओं के अधिकारी चयनित होकर आएं। उन्होंने युवाओं के कौशल विकास के लिए कोचिंग की प्रभावी व्यवथा की आवश्यकता जताई। उन्होंने स्थानीय लोगों के लिए रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास के साथ बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता जताई।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीट जीतने का भरोसा जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आगामी लोकसभा चुनाव में राजस्थान की सभी 25 सीट जीतने और केंद्र में एक बार फिर भारी बहुमत के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनाने का भरोसा जताया है। भाजपा नेता शेखावत ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, मुझे तो राज्य की 25 में से 25 सीट जीतने में कोई चुनौती नजर नहीं आती। देश में 2014 से पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का चलन बना हुआ है। उन्होंने कहा, चाहे अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना हो या पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) का मुद्दा सुलझाना हो... इन सब कामों से, भले ही परोक्ष रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनावों में फायदा मिले लेकिन ये काम भाजपा ने वोट के वास्ते नहीं बल्कि लोगों के जीवन में बदलाव के लिए किये हैं। उन्होंने कहा, जहां तक चुनाव का सवाल है, भाजपा केवल चुनाव के समय चुनाव जीतने की मशीन वाला दल नहीं है, भाजपा अपनी स्थापना के बाद से ही राष्ट्रीय महत्व और स्थानीय मुद्दों पर निरंतर सक्रिय रहकर अपने प्रभाव को बढ़ाने वाला दल है। शेखावत ने विश्वास जताया कि राजग इस बार लोकसभा चुनाव में राजस्थान में 25 सीट सहित 400 सीट का आंकड़ा पार कर जाएगा। उन्होंने कहा, जिस तरह से भाजपा के कार्यकर्ताओं ने निरंतर संघर्ष किया, उसका परिणाम है कि हमने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया। इसी भरोसे के साथ मैं कह सकता हूं कि भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से देश को बदलने का काम किया है... एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ केंद्र में राजग की सरकार आएगी।

उन्होंने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने ईआरसीपी मुद्दे पर सिर्फ राजनीति की है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस बार भी जोधपुर से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, शेखावत ने कहा कि यह पार्टी को तय करना है क्योंकि पार्टी में ऐसी कोई परंपरा नहीं है कि हम यह फैसला करें कि किसे टिकट मिलेगा।

गहलोत ने छात्रावासों का किया औचक निरीक्षण

निवाई में अनियमितताएं मिलने पर छात्रावास अधीक्षक को किया सस्पेंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को टोंक में देवली और निवाई में राजकीय अंबेडकर छात्रावासो का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान देवली स्थित छात्रावास में कोई छात्र उपस्थित नहीं पाया गया, वहीं निवाई में निरीक्षण के दौरान 4 छात्र फर्जी रूप से उपस्थित मिलें। जिस पर गहलोत के आदेशानुसार छात्रावास अधीक्षक राजेंद्र चौधरी को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि दुर्गापुरा ढाणी स्थित अनुसूचित जाति छात्रावास के औचक निरीक्षण के दौरान भी कोई छात्र उपस्थित नहीं पाया गया। छात्रावास में 50 स्टूडेंट्स के लिए स्वीकृति है इनमे से 38 स्टूडेंट का हॉस्टल में नामांकन है एवं रजिस्टर चेक करने पर 25 बच्चों की उपस्थिति रजिस्टर में मिली लेकिन हॉस्टल में एक भी स्टूडेंट नहीं था। इस दौरान वॉर्डन भागचंद चौधरी से इस सम्बन्ध में जानकारी ली गई।

इसके बाद अविनाश गहलोत राजकीय अंबेडकर छात्रावास निवाई के औचक निरीक्षण पर पहुंचे। यहां उन्हें 13 छात्रों में से 4 फर्जी रूप से रहते हुए पाए गए। उन्होंने बताया कि छात्रावास अधीक्षक राजेंद्र चौधरी ने रजिस्टर में 39 बच्चों का रजिस्ट्रेशन दिखाया हुआ था। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमिताओं की जाँच हेतु राजेन्द्र कुमार शर्मा, उप निदेशक (छात्रावास), मुख्यालय को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस दौरा अविनाश गहलोत ने छात्रावास में रसोई, शौचालय और परिसर की साफ सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

'लव जिहाद', धर्मांतरण को लेकर कोटा के तीन शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि धर्मांतरण एवं 'लव जिहाद' में कथित तौर पर शामिल रहने, और प्रतिबंधित 'जिहादी संगठनों' से संबंध रखने के आरोप में सरकारी स्कूल के दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया तथा एक शिक्षिका के खिलाफ जांच शुरू की गई है। दिलावर ने शुक्रवार को जारी एक वीडियो बयान में कहा कि सांगोद स्थित खजूरी ओदपुर गांव के एक सरकारी माध्यमिक स्कूल के तीन शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। सांगोद के एक स्थानीय समूह सर्व हिंदू समाज द्वारा इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपे जाने के बाद शिक्षकों के खिलाफ मंत्री ने कार्रवाई का आदेश दिया।

मंत्री ने कहा कि यह संज्ञान में लाया गया कि इस स्कूल में पढ़ रही एक हिंदू लड़की का नाम उसके स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) पर मुस्लिम कर दिया गया। दिलावर ने वीडियो में कहा, धर्मांतरण और लव जिहाद की साजिश की जा रही है तथा हिंदू लड़कियों को नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है...यह मेरे संज्ञान में लाया गया।

मंत्री ने कहा कि उन्होंने दो शिक्षकों--फिरोज खान और मिर्जा मुजाहिद--को निलंबित करने का आदेश दिया है और एक शिक्षिका शबाना के खिलाफ कार्रवाई जारी है। दिलावर ने यह भी कहा कि आगे की जांच के आधार पर शिक्षकों को सेवा से बर्खास्त भी किया जा सकता है। ज्ञापन में यह भी दावा किया गया कि एक हिंदू लड़की का मुस्लिम युवकों ने अपहरण कर लिया और उसका अभी तक पता नहीं चल सका है। इसमें कहा गया है कि स्कूल के रिकॉर्ड में लड़की का नाम मुस्लिम कर दिया गया था।

आईपीएल से एक महीने पहले सवाई मान सिंह स्टेडियम और आरसीए का कार्यालय सील

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच की मेजबानी से एक महीने पहले यहां सवाई मान सिंह स्टेडियम को राजस्थान खेल परिषद द्वारा सील कर दिया गया। परिषद ने दावा किया कि ऐसा इसलिये किया गया है क्योंकि राज्य क्रिकेट संस्था ने बकाया भुगतान सहित अपनी देनदारियों को पूरा नहीं किया है। स्टेडियम के साथ राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) का कार्यालय और इसकी अकादमी को भी सील कर दिया गया। राजस्थान खेल परिषद के सचिव सोहन राम चौधरी ने शुक्रवार को आरसीए को नोटिस भेजा था कि वे प्रोपर्टी राज्य परिषद को सुपुर्द कर दें लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसलिये राज्य खेल परिषद ने प्रोपर्टी सील कर दी। चौधरी ने मीडिया से कहा, हमने उन्हें (आरसीए) को कई दफा नोटिस भेजे लेकिन हमें उनसे कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने सिर्फ समझौते पत्र (एमओयू) को (आठ साल से) 10 साल तक बढ़ाने के लिए जवाब दिया। उनकी देनदारियां हैं और उन्होंने इन्हें पूरा नहीं किया है।

पशुपालकों के हित में दूरगामी निर्णय कर रही है सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण एवं पशुपालकों के हित में दूरगामी निर्णय कर रही है। शर्मा ने यहां 'सचल पशु चिकित्सा इकाई' (हेल्पलाइन नम्बर 1962) की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वस्थ पशुधन के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। इसी क्रम में हमारी सरकार ने सचल पशुचिकित्सा इकाई (एमवीयू) की शुरुआत की है। इसके माध्यम से पशुओं को शीघ्र चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध होगी और प्रदेश के पशुपालक समृद्ध होंगे। उन्होंने 21 एमवीयू को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके अतिरिक्त राज्य में जिला स्तर पर आयोजित समारोहों में 159 इकाइयों का लोकार्पण भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक एक लाख पशुओं पर एक एमवीयू कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय कॉल सेंटर की स्थापना भी की जाएगी, जो पशुओं के सामान्य रोगों के उपचार के लिये टेलीमेडिसिन व्यवस्था एवं पशु प्रबंधन, पोषण आदि के लिए सलाह भी देगा। कॉल सेंटर के माध्यम से पशुओं का आपात स्थिति में प्राथमिकता से उपचार सुनिश्चित हो सकेगा।

सरकारी बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार कृषक कल्याण एवं पशुपालकों के हित में दूरगामी निर्णय कर रही है। सरकार ने अपने पहले बजट में ही गौवंश संरक्षण के लिए शेड, खेली का निर्माण तथा दुग्ध, चारा, बांटा संबंधी उपकरण खरीदने के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत एक लाख रुपए तक ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण घोषणा की है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विधिवत तरीके से गौ पूजन कर समारोह की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक प्रखंड में सचल इकाइयों द्वारा पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर पशुपालकों को लाभान्वित भी किया जाएगा। प्रत्येक प्रखंड में एक सचल पशु चिकित्सा इकाई के लिए एक पशु चिकित्सक, एक तकनीकी पशु चिकित्साकर्मी एवं एक चालक सह पशु परिचारक होंगे। इससे लगभग 1600 तकनीकी व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा।

नमो ऐप डाउनलोड करने के लिए भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों का निर्धारित किया गया है लक्ष्य : पोरवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश कार्यालय जयपुर में शनिवार को नमो एप अभियान प्रदेश टीम की बैठक आयोजित की गई। बैठक भाजपा प्रदेश मंत्री पिकेंश पोरवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। पोरवाल ने कहा कि नमो ऐप विकसित भारत ऐंबेसडर अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महत्वाकांक्षी अभियान है। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा। नमो ऐप डाउनलोड करने के लिए सभी प्रदेश पदाधिकारियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की सफलता के लिए आगामी दिनों में प्रदेश कार्यशाला एवं जिला कार्यशाला आयोजित होंगी। जिला महामंत्री अभियान प्रमुख के रूप में क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग का कार्य देखेंगे वहीं जिले के तीन जिला मंत्री इस अभियान में सह-प्रमुख के रूप में काम करेंगे। सभी जिलों में आयोजित होने वाली नमो ऐप कार्यशालाओं में प्रदेश पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

नमो ऐप प्रदेश समन्वयक आवड़दान चारण ने कहा कि भाजपा नमो ऐप विकसित भारत ऐंबेसडर महाअभियान के तहत आगामी एक से 15 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अधिकतम नमो ऐप डाउनलोड कराकर आमजन को मोदी से सीधे जोड़ने का काम किया जाएगा। आईटी और सोशल मीडिया के जिला संयोजक अपनी टीम के साथ इस अभियान के शिविरों में तकनीकी रूप से सहयोग करेंगे। जिला मंत्री और जिला आईटी संयोजक संगठन के शिविरों में सहयोग करेंगे। प्रत्येक शिविर में कम से कम 500 नमो ऐप डाउनलोड हो और सभी नमो ऐप डाउनलोड करने वाले अपने प्रोफाइल को तुरंत कंप्लीट करें ऐसा प्रयास किया जाएगा।

आईटी के प्रदेश सह-संयोजक नरेन्द्र कटारा ने कहा कि युवा मोर्चा को छोड़कर अन्य सभी मोर्चा प्रत्येक मण्डल में शिविर का आयोजन कराएगा।

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ से बूंदाबांदी के आसार

जयपुर/दक्षिण भारत । एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले हफ्ते राजस्थान के कई हिस्सों में बादल छाए रहने व बूंदाबांदी होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। जयपुर स्थित मौसम केंद्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार, एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 26-27 फरवरी को राज्य के कुछ भागों में बादल छाए रहने व कहीं-कहीं बूंदाबांदी होने की संभावना है। मौसम केंद्र की ओर से बताया गया कि एक और तीव्र पश्चिमी विक्षोभ के 1-2 मार्च से सक्रिय होने की प्रबल संभावना है। इसके प्रभाव से मार्च के प्रथम सप्ताह में राज्य के कुछ भागों में मेघगर्जन और कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

इस बीच बीते चौबीस घंटे में राज्य में न्यूनतम तापमान संगरिया में 5.2 डिग्री सेल्सियस, जालोर में 6.2 डिग्री सेल्सियस, करौली में 6.5 डिग्री सेल्सियस, माउंट आबू व फतेहपुर में 8.7 डिग्री सेल्सियस तथा गंगानगर में 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

उदयपुर में तीन दिवसीय योग महोत्सव का आयोजन आठ मार्च से

उदयपुर/दक्षिण भारत। केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय- भारत सरकार द्वारा संस्कृति विकास संस्थान के माध्यम से तीन दिवसीय योग महोत्सव का आयोजन यहां आठ मार्च से आयोजित किया जायेगा। आयुष मंत्रालय की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य एवं महोत्सव के आयोजन सचिव हिमांशु पालीवाल ने बताया कि उदयपुर के ग्रांधी ग्राउंड मैदान में होने वाले तीन दिवसीय योग महोत्सव के आयोजन में देश के विभिन्न क्षेत्र से योग विशेषज्ञ, विश्वविद्यालयों के योग प्रतिनिधि, रिसर्च स्कॉलर एवं विद्यार्थियों के साथ आमजन भी शिरकत करेंगे। इस महोत्सव में भारतीय चिकित्सा पद्धति की आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा तथा होम्योपैथिक पद्धतियों के विषय विशेषज्ञ एवं चिकित्सकों के द्वारा आमजनों हेतु निरूशुल्क ओपीडी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।इसके साथ ही देश भर से आयुष के क्षेत्र में स्टार्टअप प्रोजेक्ट संचालित कर रहे उद्यमी अपने स्टाल्स के माध्यम से इस क्षेत्र में और अधिक विकास की संभावनाओं को प्रदर्शित करेंगे। महोत्सव में तकनीकी सत्रों, सांस्कृतिक संध्याओं,योग संबंधी प्रतियोगिताओं (पोस्टर, क्विज, योग श्लोक सूत्र, योगासन) आदि का आयोजन साथ-साथ आम जनों हेतु बड़े स्तर पर दक्ष प्रशिक्षकों एवं योगाचार्य द्वारा तकनीकी योग सत्रों का आयोजन भी किया जाएगा।

मोदी ने दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना के तहत 11 गोदामों का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) में अनाज भंडारण के लिए 11 गोदामों का उद्घाटन किया। ये गोदाम सहकारी क्षेत्र में सरकार की दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना का हिस्सा हैं। इस योजना के तहत 1.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश शामिल है।

मोदी ने गोदामों और अन्य कृषि बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए देश भर में अतिरिक्त 500 पैक्स की आधारशिला भी रखी।

इन पहलों का मकसद नाबार्ड और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) की मदद से पैक्स गोदामों को खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला के साथ निर्बाध रूप से जोड़ना है।

प्रधानमंत्री ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारी क्षेत्र एक लचीली अर्थव्यवस्था को आकार देने और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति देने में सहायक है। उन्होंने कहा, आज हमने अपने किसानों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण योजना शुरू की है। इसके तहत देश भर में हजारों वेयरहाउस और गोदाम बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके तहत 700 लाख टन भंडारण क्षमता बनाई जाएगी।

मोदी ने सहकारी क्षेत्र से आग्रह किया कि वे खाद्य तेलों और उर्वरकों सहित कृषि उत्पादों के लिए आयात निर्भरता कम करने में मदद करें। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि देश में भंडारण बुनियादी ढांचे की कमी के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, पिछली सरकारों ने इस समस्या पर कभी ध्यान नहीं दिया। लेकिन, आज पैक्स के जरिए इस समस्या का समाधान किया जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्यान्न भंडारण कार्यक्रम के तहत अगले पांच वर्षों में 700 लाख टन भंडारण क्षमता बनाई जाएगी। इस पहल पर 1.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च होंगे। मोदी ने कहा कि विशाल भंडारण सुविधाओं के निर्माण से किसान अपनी उपज को गोदामों में रखने, इसके बदले संस्थागत ऋण लेने और अच्छी कीमत हासिल करने में सक्षम होंगे। उन्होंने सहकारी समितियों की चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता लाने के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि इससे सहकारी आंदोलन में लोगों की अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक अलग मंत्रालय के माध्यम से देश में सहकारी समितियों को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

मोदी ने यह भी कहा कि बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम में संशोधन किया गया है और पैक्स का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने देश भर में 18,000 पैक्स के कम्प्यूटरीकरण के लिए एक परियोजना का भी उद्घाटन किया।

किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि छोटे किसान उद्यमी बन रहे हैं और यहां तक कि अपनी उपज का निर्यात भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने 10,000 एफपीओ स्थापित करने का लक्ष्य रखा था। हम पहले ही 8,000 एफपीओ स्थापित कर चुके हैं। उनकी सफलता की चर्चा अब वैश्विक स्तर पर हो रही है। मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्र भी सहकारी समितियों से लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहकारी समितियों को उन वस्तुओं की एक सूची बनानी चाहिए, जिनका भारत आयात करता है और उन्हें स्थानीय स्तर पर उत्पादित या निर्मित करने की योजना बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सहकारी संगठन खाद्य तेल, उर्वरक और कच्चे तेल के आयात को कम करने में मदद कर सकते हैं।

असम कैबिनेट ने मुस्लिम विवाह अधिनियम निरस्त करने की मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम मंत्रिमंडल ने बाल विवाह को समाप्त करने के लिए असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को रद्द करने की मंजूरी दे दी है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, इस अधिनियम में भले ही वर की आयु 21 वर्ष और वधू की आयु 18 वर्ष न हो तो भी विवाह पंजीकरण की अनुमति देने का प्रावधान था। जो (देश के) कानून के अनुसार विवाह के लिए वैध आयु होती है। यह कदम (कानून को निरस्त किया जाना) राज्य में बाल विवाह पर रोक लगाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

विपक्षी दलों ने सरकार के इस फैसले को ''मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण'' और ''चुनावी वर्ष में मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने का प्रयास'' बताया।

कांग्रेस के विधायक अब्दुल रशीद मंडल ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि लोकसभा चुनावों के वर्ष में अधिनियम को निरस्त करने का निर्णय लेकर सरकार ''मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रही है... यह मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण निर्णय के अलावा और कुछ नहीं है।

गोलपारा (पश्चिम) से विधायक ने कहा, सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और राज्य में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने की बात करती है लेकिन अब तक विधानसभा में ऐसा कोई विधेयक या अध्यादेश नहीं लाया गया है और इसका कारण उन्हें ही पता है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार इसे (असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935) एक अप्रचलित अधिनियम बता रही है और कह रही है कि इसके तहत बाल विवाह का पंजीकरण हो रहा है, लेकिन यह सच नहीं है। यह मुसलमानों के विवाह और तलाक के पंजीकरण का एकमात्र तंत्र है और संविधान के तहत वैध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कानून को निरस्त किए जाने पर जिला आयुक्तों और जिला रजिस्ट्रार को इस समय 94 मुस्लिम विवाह रजिस्ट्रार के पास मौजूद ''पंजीकरण रिकॉर्ड को अपने संरक्षण'' में लेने के लिए अधिकृत किया जाएगा। असम पंजीकरण महानिरीक्षक के समग्र पर्यवेक्षण और नियंत्रण के तहत ऐसा किया जाएगा। अधिनियम निरस्त होने के बाद मुस्लिम विवाह रजिस्ट्रार को उनके पुनर्वास के लिए दो लाख रुपए का एकमुश्त मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिनियम को निरस्त करने का निर्णय शुक्रवार को देर रात कैबिनेट की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि यह तत्कालीन प्रांत के लिए स्वतंत्रता से पहले लागू किया गया एक पुराना अधिनियम था जिसे ब्रिटिश शासनकाल में लागू किया गया था।

शरद पवार ने रायगढ़ किले में अपने राकांपा गुट के चुनाव चिह्न का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार ने अपने नेतृत्व वाले पार्टी के गुट के चुनाव चिह्न – 'तुरहा (पारंपरिक तुरही) बजाते हुए आदमी' का शनिवार को अनावरण किया और इसे लोगों के कल्याण के लिए एक नया संघर्ष शुरू करने और उनके उत्थान के वास्ते काम करने वाली सरकार बनाने के लिए प्रेरणा बताया। अजित पवार और आठ अन्य विधायकों के पिछले वर्ष जुलाई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो जाने के बाद शरद पवार नीत राकांपा विभाजित हो गई थी। बाद में निर्वाचन आयोग ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को असल राकांपा घोषित किया था और उसे पार्टी का चिह्न 'घड़ी' आवंटित किया था।

आयोग ने बृहस्पतिवार को राकांपा- शरदचंद्र पवार को 'तुरहा बजाता हुआ व्यक्ति' पार्टी चिह्न के रूप में आवंटित किया।

शरद पवार ने चुनाव चिह्न का अनावरण करने के बाद रायगढ़ किले में कहा कि यह तुरही उन लोगों के लिए खुशी लाएगी जो बढ़ती मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के कारण संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोगों की सरकार स्थापित करने के लिए हमें संघर्ष करने की जरूरत है और इसलिए हमें तुरही चुनाव चिह्न को मजबूत करना होगा। यह लोगों के कल्याण के वास्ते नया संघर्ष शुरू करने और उनके उत्थान का काम करने वाली सरकार के लिए प्रेरणा है। पवार (83) ने आम आदमी के कल्याण और प्रगति के लिए काम करने वाली सरकार लाने के वास्ते अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं का सहयोग मांगा। राकांपा के शरद पवार नीति गुट की राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल ने कहा कि तुरही बहादुरी, जीत और संघर्ष की प्रेरणा का प्रतीक है।

टीएमसी सरकार पारदर्शी है तो महिला सांसदों को पीड़ितों से मिलने से क्यों रोका जा रहा : भाजपा नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता वानती श्रीनिवासन ने शनिवार को सवाल किया कि यदि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पारदर्शी है, तो महिला सांसदों को संदेशखालि में पीड़ितों से मिलने से क्यों रोका जा रहा है।

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवासन ने उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि टीएमसी शासन के तहत ''महिलाएं बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, पश्चिम बंगाल में महिलाएं बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। यदि टीएमसी सरकार इतनी पारदर्शी है, तो विपक्षी महिला सांसदों को संदेशखालि में पीड़ितों से मिलने से क्यों रोका जा रहा है? वे क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं?''

भाजपा शासित राज्यों में 'अत्याचार' के इसी तरह के आरोप लगाए जाने उनकी पार्टी द्वारा चुप्पी साध लेने के आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्रीनिवासन ने कहा कि भाजपा ने कभी भी ऐसे जघन्य अपराधों में शामिल किसी को नहीं बचाया है।

संदेशखालि में स्थापित सरकारी शिविर को ग्रामीणों की 1,250 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के अशांत संदेशखालि क्षेत्र में सरकारी शिविरों में भूमि विवादों से संबंधित 400 शिकायतों सहित कुल 1,250 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जहां प्रशासन स्थानीय लोगों की शिकायतों को दूर करने के लिए एक जनसंपर्क कार्यक्रम चला रहा है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेताओं पर भूमि अतिक्रमण और यौन दुर्व्यवहार के आरोपों के कारण हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन का केंद्र रहे संदेशखालि के ब्लॉक-2 में सबसे अधिक करीब 1,000 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। बशीरहाट उप-संभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 18 फरवरी से सरकारी सहायता शिविरों का संचालन शुरू हुआ, जिसके बाद से संदेशखालि और आस-पास के क्षेत्रों से अब तक 1,250 से अधिक शिकायतें मिली हैं।

संदेशखालि में 'अत्याचारों' के खिलाफ भाजपा किसान मोर्चा ने जुलूस निकाला

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं के कथित 'अत्याचार' के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा के सदस्यों ने शनिवार को यहां जुलूस निकाला। भाजपा किसान मोर्चा का ये मार्च उत्तरी कोलकाता के गिरीश पार्क से शुरू हुआ और आसपास के विभिन्न इलाकों में निकाला गया।

मोर्चा के सदस्यों ने संदेशखालि में टीएमसी नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की। संदेशखालि में ग्रामीणों ने सत्तारूढ़ दल के स्थानीय नेताओं पर जमीन कब्जा करने का आरोप लगाया। उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में बड़ी संख्या में महिलाओं ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों पर जबरदस्ती जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था।

पांच जनवरी को राशन घोटाले के सिलसिले में शाहजहां के परिसर पर छापा मारने गए प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर कथित तौर पर भीड़ ने हमला कर दिया था, जिसके बाद से शाहजहां फरार है।

कांग्रेस-आप गठजोड़ पर भाजपा का कटाक्ष

अंधे और लंगड़े ने जीत की आस में हाथ मिलाया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए गुजरात में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच सीट बंटवारा समझौते पर कटाक्ष करते हुए शनिवार को कहा कि जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर ''एक अंधे और लंगड़े'' ने हाथ मिला लिया है। सीट-बंटवारा समझौते के अनुसार, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) भरूच और भावनगर लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी और कांग्रेस बाकी 24 सीट पर चुनाव लड़ेगी।

भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष सी आर पाटिल ने कहा कि आप और कांग्रेस जमीनी हकीकत देखे बिना चुनाव जीतने का सपना देख रहे हैं। पाटिल ने 2022 के गुजरात विधानसभा चुनावों के मतदान प्रतिशत का हवाला देते हुए दावा किया कि गठजोड़ (कांग्रेस-आप) इन दो लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में जीतने से कोसों दूर है।

भाजपा ने 2019 के आम चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य गुजरात में लोकसभा की सभी 26 सीट पर जीत हासिल कर ली थी और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पायी थी।

पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, कोई भी गठबंधन भाजपा को (लोकसभा की) सभी 26 सीट जीतने से नहीं रोक सकता और वह भी 5 लाख से अधिक मतों के अंतर से। मेरा मानना है कि कांग्रेस और आप अभी भी सपने देख रही हैं और वे जमीनी हकीकत समझने के लिए तैयार नहीं है।'' वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में, भाजपा ने 156 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी थी। राज्य की 182 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस को केवल 17 और आप को 5 सीट पर ही जीत मिली थी।

टिपरा मोथा के प्रमुख ने आमरण अनशन शुरू करने की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। टिपरा मोथा के अध्यक्ष प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने टिपरासा लोगों की समस्या के संवैधानिक समाधान की मांग को लेकर आमरण अनशन शुरू करने की धमकी दी है। देबबर्मा ने शनिवार को एक वीडियो संदेश जारी कर यह बात कही।

प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने अपने वीडियो संदेश में कहा, हमारा समय चला गया... जब मैं सुबह बिस्तर से उठता हूं, तो मुझे नहीं पता कि मैं सो पाऊंगा या नहीं, क्योंकि मुझे हृदय रोग सहित कई अन्य चिकित्सा संबंधी समस्याएं हैं। मैं अपने लोगों को कुछ देने के लिए दिल से टिपरासा के लोगों के लिए लड़ रहा हूं। इससे मेरे निजी जीवन के साथ-साथ परिवार पर भी गंभीर असर पड़ा है। उन्होंने कहा, इस लड़ाई में एक पक्ष का नेतृत्व मैं कर रहा हूं जो महल छोड़कर गरीब टिपरासा लोगों के लिए लड़ रहा है जबकि दूसरे पक्ष में बड़े लोग हैं जो बड़ी-बड़ी 'गारंटी' देते हैं लेकिन कुछ नहीं करते। पिछले एक साल से केंद्र सरकार हमें बता रही है कि टिपरासा के लोगों के लिए कुछ ठोस काम किया जाएगा लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल हुई प्रियंका वाद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से आगे बढ़ी, जिसमें प्रियंका गांधी वाद्रा भी अपने भाई के साथ शामिल हुईं।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रवक्ता मनीष हिंदवी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मुरादाबाद से फिर से शुरू हुई। राहुल के साथ पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। यात्रा जब मुरादाबाद की सड़कों पर बढ़ी तो विभिन्न क्षेत्रों के लोग वहां मौजूद थे। खुली जीप में सवार दोनों नेताओं का उनके समर्थकों ने स्वागत किया। यात्रा में शामिल लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने 'राहुल गांधी जिंदाबाद, प्रियंका गांधी जिंदाबाद' और 'कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद' के नारे लगाए। इस बीच राहुल और प्रियंका जनता का अभिवादन करते नजर आए।

प्रियंका गांधी सप्ताहांत में उत्तर प्रदेश के शेष चरण में यात्रा का हिस्सा बनेंगी।

उन्हें यात्रा में उत्तर प्रदेश के चंदौली में भाग लेना था, लेकिन खराब स्वास्थ्य और बाद में अस्पताल में भर्ती होने के कारण वह उस समय यात्रा में शामिल नहीं हो सकीं।

प्रियंका गांधी ने मुरादाबाद में जनता को संबोधित करते हुए कहा, जब मैं पहले 2022 में यहां आई थी, तो हमने घोषणापत्र में बार-बार प्रश्न पत्र लीक होने से रोकने के लिए एक योजना बताई थी, जिसमें 'जॉब कैलेंडर' से लेकर परीक्षा और नियुक्ति की तारीख के बारे में जिक्र किया गया था। उन्होंने कहा, हमने गड़बड़ी की जांच और कार्रवाई के लिए एक आयोग बनाने की भी बात की, जो सभी अन्यायों के खिलाफ कार्रवाई करेगा और जो कोई भी 'जॉब कैलेंडर' से भटकने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा, देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ रही है। किसान कल भी प्रदर्शन कर रहे थे। किसान आज भी प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है।

वाद्रा ने कहा, उत्तर प्रदेश में किसानों को जीप से कुचलने, महिलाओं पर अत्याचार करने और पेपर लीक करने वालों के घर पर बुलडोजर नहीं चला। इस सरकार में दोषी लोगों पर नहीं बल्कि निर्दोष लोगों के घरों पर ही बुलडोजर चलता है।

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के बारे में उन्होंने कहा, न्याय' शब्द इसलिए जोड़ा गया है, क्योंकि देश की महिलाओं, बच्चों और किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा, जब तक आप बदलाव नहीं लाएंगे, आपकी परिस्थितियां नहीं बदलेंगी।

जायसवाल एक टेस्ट श्रृंखला में 600 या इससे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवें भारतीय बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ चौथे मैच के दूसरे दिन एक टेस्ट श्रृंखला में 600 या इससे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवें भारतीय बन गए।

पिछले साल वेस्टइंडीज दौरे पर पदार्पण करने वाले बायें हाथ के बल्लेबाज जायसवाल ने मौजूदा पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में अपनी सातवीं पारी के दौरान यह उपलब्धि अंतिम सत्र में शोएब बशीर पर एक रन लेकर नाबाद 55 रन तक पहुंचने के बाद हासिल की।

जायसवाल ने मौजूदा श्रृंखला के दूसरे और तीसरे टेस्ट में दो दोहरे शतक जमाए हैं। इस तरह 22 साल का यह खिलाड़ी एक टेस्ट श्रृंखला में 600 से ज्यादा रन बनाने के कारनामे में भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर, विराट कोहली, राहुल द्रविड़ और दिलीप सरदेसाई के साथ शामिल हो गया।

पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर, कोहली और द्रविड़ ने अपने करियर में एक टेस्ट श्रृंखला में दो बार 600 से ज्यादा रन बनाए। वहीं सरदेसाई ने यह उपलब्धि 1970-71 में वेस्टइंडीज में हुई श्रृंखला में हासिल की थी।

गावस्कर ने 1970-71 की इस श्रृंखला में ही चार शतक और तीन अर्धशतकों से 774 रन जुटाकर एक टेस्ट श्रृंखला में किसी भारतीय बल्लेबाज का सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया था।

गावस्कर ही एकमात्र भारतीय हैं जो एक टेस्ट श्रृंखला में दो मौकों पर 700 से ज्यादा रन जुटा सके हैं। 'लिटिल मास्टर' ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के भारत दौरे पर चार शतक और एक अर्धशतक से छह टेस्ट में 732 रन बनाए थे। एक टेस्ट श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन के नाम है जिन्होंने 1930 में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट में चार शतकों से 974 रन बनाए थे।

सुविचार

जिंदगी में किसी से उम्मीद नहीं रखनी चाहिए, जो कि धोखा मनुष्य नहीं देता, बल्कि उनकी वो उम्मीदें धोखा देती है, जो वह दूसरों पर रखता है।

ट्वीट

भाजपा के पूर्व मुख्य सचेतक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता महावीर प्रसाद जैन जी के निधन की सूचना अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

बडौदामेव अलवर आगमन पर जनप्रतिनिधि जनों, प्रशासनिक अधिकारियों व स्नेही जनों द्वारा किए आत्मीय स्वागत सत्कार से मन आह्लादित, हर्षित और मुदित है। आपका यही विश्वास ही मुझे प्रत्येक परिस्थिति में गतिशील रहने की ऊर्जा प्रदान करता है।

-भजनलाल शर्मा

दो कहानी

भुवनेश्वर

डाकमुंशी

कठिन पथ पर चले हुए श्रमित यात्रियों के समान एक इमली की सघन छाया में, जहाँ दो सड़कें मिली थीं, वहाँ वह कब से बैठता था, यह बतलाना कठिन है। कहानियों की भाषा में उसे अनन्त काल' कहा जा सकता है; पर उसके चारों ओर एक ऐसा प्रचुर विश्राम था कि उसे देखकर ही सारी कल्पना जड़ हो जाती थी। जैसे – वह तरल कल्पना के अन्तिम बिन्दु पर पहुँचकर उसका एक दृढ़ और कटु उपहास कर रहा हो।

झुकी हुई कमर, नागफनी का डंडा, मैली अचकन, डोरों से बँधी हुई ऐनक, बगल में बस्ता दबाए हुए वह आता और अपने मैले लाल-काले धब्बों के बिस्तर पर कुछ मनीऑर्डर फॉर्म, कुछ सादे लिफाफे कुछ पुराने खत और तस्वीरों वाले अखबार लेकर बैठ जाता। वह डाकमुंशी कहलाता था और पेशे का एक बूढ़ा खतनवीस था। बात यह थी कि एक बार लड़ाई' के दिनों जब उसके गाँव का डाकमुंशी बिना छुट्टी लिये हुए इसे अपनी कुर्सी पर बिठाकर दूसरे गाँव अपनी मंगेतर को देखने चला गया, तो लोगों ने इसे डाकमुंशी कहना शुरू किया और किस तरह उसने डाकियों पर रोब रक्खा, बड़े-बड़ों को डाँटा और एक शराबी गोरे को थप्पड़ मारा, इन सबकी एक उत्ताल सजीव स्मृति उसके जीवन का एक आवश्यक अंग हो गयी थी। वह वास्तव में उस स्टेज पर पहुँच गया था, जब हम अपने ही असत्य पर विश्वास करने लगते हैं। डाकमुंशी का व्यवसाय कभी दौड़कर भी चला था, यह उसके अतिरिक्त किसी ने भी स्मरण नहीं रक्खा और इन दिनों जब शाम की तम्बाकू भी वह उधार ले जाता था, कोई अपना-पराया...

खैर, उसने इस विषय में गूढ़ चिन्तन किया था। केवल आकस्मिक दार्शनिकता से एक प्रकार की उदासीनता प्राप्त कर ली थी। वह एकाकी था, यह तो कोई बड़ी बात न थी; पर उसका जीवन संकुचित होकर केवल उसके बिस्तर और हरिजन बस्ती में एक कोठरी और खपरैल तक ही सीमित हो गया था और इस अभाव ने उसके जीवन में एक ऐसी विचित्रता और कटुता का समावेश कर दिया था, जिसे वह उसके विशेष सम्बन्ध में उदासीनता' ही कहकर उसके साथ न्याय किया जा सकता है; पर चीना? यहीं पर उसका जीवन बाधित था, यहीं पर रुककर वह आगे-पीछे देखता था।

लड़कों के गुल-गपाड़े, स्त्रियों के गाली-गलौज, प्रेमियों के दिनदहाड़े चुम्बनों में डाकमुंशी एक साफ कागज पर चीना का नाम लिख अपना टूटा-फूटा कलमदान लेकर पंचायत करने बैठा था। चीना पर अभियोग यह था कि वह अपनी ससुराल से भाग आई थी। दोनों वादियों की सुनकर, जिरह का ईश्यू बनाकर, जो फैसला उसने दिया था, वह दोनों ने नहीं माना। चीना ने अपने उमड़ते हुए यौवन, निखरते साँवले रंग और नेत्रों के अमृत और विष के कारण। वह एक शराबी अहीर की भानजी थी, और जीवन को गेंद के समान उछालती हुई चलती थी, रोज मरदों के दीदे निकालती' और स्त्रियों को गाली देती और खाती; पर वह एक साधारण सी बात पर अपनी ससुराल से भाग आई, वह ससुराल से भाग आई!'

और वह डाकमुंशी अपने फटे बिस्तर पर पड़ा आँखें फाड़-फाड़कर उस रात को केवल एक यही प्रखर सत्य देख रहा था।

जीवन की गति जब कुछ द्रुत हो जाती है, वह एक विश्राम-सा हो जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि हमने अपने बन्धनों और सीमाओं पर विजय पा ली, हम संघर्ष से ऊपर उठ गए, पर यह एक कठिन प्रवंचना है। यह न हम जान पाते हैं और न बेचारा डाकमुंशी ही जान पाया।

चीना से उसका कोई पार्थिव सम्बन्ध न था। औपन्यासिक सम्बन्ध की बात वह सोच ही क्या सकता था; पर हम आपको विश्वास दिला सकते हैं कि वह चीना के विषय में यदि चिन्तन करता भी होगा, तो एक विराग, एक तटस्थता के साथ।

साँझ को घर लौटकर वह चीना को सरलता से देखते हुए, खिलखिलाकर हँसते हुए, या किसी पर वाग्प्रहार करते हुए, नित्य देखता; पर उसके प्रत्येक रूप का उस पर एक ही प्रभाव पड़ता और वह घर आकर द्वार सावधानी से बन्द कर लेता और जब चूल्हे के धुएँ से कोठरी अभिमन्त्रित-सी हो जाती, वह आँखों को मलते हुए कहता – हरामजादी !

उसके जीवन में एक अकारण क्षोभ ने स्थान कर लिया था और उसने देखा कि उसके चारों ओर सभी वस्तुएँ दुरूह-सी हो रही हैं। रात में जब उसे नींद न आती, वह अपनी बचपन की बात सोचता, कभी जवानी की कोई विहंगम घटना उसे कचोट-सी लेती; और एक रात तो वह अपने दूर के नातेदार की बात सोच उठा, जिनके साथ वह पिछले कुम्भ में ठहरा था, और उनकी पुत्री – उसे उसका नाम भी स्मरण था – रम्मी; गोरी, दुबली, लजीली; पर न जाने क्यों वह एकाएक प्रेरित-सा हो उठा कि वह कुमारी' नहीं है और वह उठकर बैठ गया और खाँसने की चेष्टा करने लगा।

चीना को उसने कई बार समझाने का निश्चय किया। क्यों? हमें विश्वास है कि यदि वह सोचता तो कारण की नगण्यता से कुंठित हो जाता; पर वह कई बार उसको बाजार से लौटते हुए, बछड़ों को रँगते हुए अकेली पाकर ठिठका; पर प्रयत्न कर भी कुछ न कह सका और देखा कि वह एक लापरवाह स्थूल हँसी हँस रही है। वह फिर खीज उठता और कभी-कभी उस दिन ग्राहकों से उलझ जाता।

कल्पना, जीवन और प्रकृति के विरुद्ध विद्रोह है। हम सूक्ष्म और सूक्ष्मातिसूक्ष्म अनुभूतियों और सहानुभूतियों के छाया-पंखों पर जीवन की तुच्छताओं और बन्धनों के ऊपर उठने का प्रयत्न करते हैं और कठिन वास्तविक जीवन को एक बार भुलावा दे देते हैं। डाकमुंशी ने भी यही किया। कब किया? इसके अनुसंधान के लिए हमें उसके गूढ़तम अन्त:देश में पैठना होगा, जहाँ से उसका सारा व्यापार एक क्रूर व्यंग्य प्रतीत होता था; पर चीना को उसने कल्पना के रंगों में रँगकर एक निश्चिन्तता का लाभ किया। उसने उसे एक निर्धारित स्थान देकर संतोष की साँस ली। अब वह चीना की ओर विषद सहानुभूति से देखता, उसके पति की बात सोचता, जो नित्य शराब पीकर उसका अपमान करता होगा, वह निर्लज्ञ बाजारू स्त्री का ध्यान करता, जो चीना का जीवन नरक बनाए होगी और कभी-कभी सचमुच उसका गला रुँध जाता। एक बार उसने उस खद्दरधारी नवयुवक को भी अपनी कल्पना में स्थान दिया, जो कुछ दिन हुए सुधार के बहाने वहाँ रहा था और कई लड़कियों से छेड़खानी करता देखा गया। न जाने वह कैसे सोच गया कि चीना के भाग आने का कारण वही है; पर इस काल्पनिक असंयमता ने उसे फिर विकल कर दिया और जब उस दिन अपनी दुकान पर बैठे हुए उसने चीना को 'भूसी' की गठरी सिर पर लादे हुए जाते देखा, वह सिहर गया। भूसी बेचकर जब वह लौटी, तो मुस्कराकर आँखें नीची कर डाकमुंशी के पास आई और एक खत लिखवाना चाहा।

चार पैसे हिन्दी-उर्दू पोस्टकार्ड, पाँच पैसे लिफाफा आधा तोला, छे पैसा एक तोला। मनीऑर्डर एक आना, तार के लिए वहाँ जाओ, साफ-साफ बोलना होगा।'

एक यंत्र के समान डाकमुंशी बड़बड़ा गया, जो दिन में वह कई बार दुहराता था।

चीना ने 'गंगा माई', 'गो माता' की सौगन्ध खिलाकर अपने ससुराल वाले नगर के किसी दारोगा को एक पत्र लिखवाया और डाकमुंशी ने लिख दिया और डाक में डाल दिया। चीना एक बार फिर सौगन्ध खिलाकर, मुस्कराकर, बल खाकर चली गई; पर डाकमुंशी, जैसे वह केन्द्रविहीन हो गया हो, जैसे वह एक बार फिर जीवन आरम्भ कर रहा हो। जैसे वह पिछले जीवन का एक अप्रिय अतिथि हो। और उस साँझ को लौटते हुए जब एक बालक ने उसे रोककर इकन्नी के पैसे माँगे, वह एकदम हिंसक हो गया और आहत सर्प के समान फुफकारकर बोला –

सूअर!' जिसने भी डाकमुंशी को देखा, उसने उसे कभी इससे पहले इस रूप में नहीं देखा था।

– 'हिन्दी समय' से साभार

भुवनेश्वर

सूर्यपूजा

अँधेरी घूप गलियों में हवा लपटों की तरह ऊँचे सीले मकानों से टकराकर एकरस हिंसक आवाज करती हुई भर-भर जाती थी।

मोटा, भद्दा डॉक्टर और दुबला रोगी-सा विद्यार्थी विलास हाथ में हाथ डाले फिसलौने खड़चड़े पर खामोश चले जा रहे थे। कीचड़ से बचने के लिए वह बराबर मेढकों की तरह फुदक रहे थे...। एकबारगी विलास का पैर कीचड़ में छपक गया और वह उतावली से चिल्ला पड़ा – ''डॉक्टर तुम मुर्दा हो, बिल्कुल मरे हुए, इससे ज्यादा कुछ भी तो नहीं। तुम जानते हो, तुम मुर्दा हो? ...मैं तुम्हें कितना चाहता हूँ, लेकिन मेरे चाहने से क्या होता है, तुम तो मरे हुए हो।''

''अच्छा, अच्छा,'' – डॉक्टर ने अपने हाथ का पूरा सहारा देते हुए बे-मन कहा।

''मैं तुमसे इतनी साफगोई इसलिए कर रहा हूँ कि मैं तुम्हें चाहता हूँ। क्या तुम जानते हो, मैं तुम्हें कितना चाहता हूँ?''

''हाँ, हाँ... क्यों नहीं जानता।''

यह तो नरक है डॉक्टर, नरक! यह मुर्दों की बस्ती है। यह भरा-पूरा शहर मुर्दों की बस्ती है... बाज मरतबा तो मैं सोचने लगता हूँ कि यह बिलकुल खाली है... यह शहर है ही नहीं, यह कोई प्रेत है। डॉक्टर, क्या यह मुमकिन है कि इस मनहूस शहर में हजारो-हजारों आदमी सिर्फ खाने, पीने और सोने के लिए ही जिन्दा हैं। अँधेरा, कीचड़, आँधी, बारिश, चारों तरफ देखो, कहीं जीवन का हल्का-सा भी इशारा है? नहीं! घूमकर देखो। कोई यह यकीन करेगा कि यह एक शहर है जहाँ आदमी रहते हैं – जिन्दा, पूरे-पूरे मनुष्य, जो ह्यूमेनिटी कही जाती है? ...वह क्यों जिन्दा हैं? माताएँ प्रसव की मुसीबत आखिर क्यों झेलती हैं? ...कल्पना करो कि यह बस्ती गारत हो गयी, इसका नाम-निशान मिट गया। गोबर के चोंथ की तरह बारिश ने घुलाकर बहा दिया। लेकिन दुनिया में कोई फर्क न पड़ा। कोई जानेगा भी नहीं कि घूरे पर गोबर का एक चोंथ नहीं रहा। और कोई जाने भी क्यों... थोड़े-से क्लर्क, दुकानदार, दलाल, अफ़सर – और हर एक शहर में बिलकुल ऐसे ही क्लर्क, दुकानदार, दलाल और अफसर हैं, बिलकुल ऐसे ही! ...यह इतनी डुप्लीकेट कॉपियाँ आखिर क्यों हैं! जब खुद असल ही इतना जलील है। शायद सैकड़ों जगह इसी तरह बारिश हो रही होगी, इसी तरह हवा फुफकार रही होगी... डॉक्टर तुम इस पर भी निराश नहीं होते... इतने पर भी?

''नहीं-ई, मैं मायूस क्यों हूँगा?'' – डॉक्टर ने जवाब दिया जो विलास को सँभालने की मेहनत' से हाँफ-सा गया था।

''हूफ ! तुम्हें किसी बात पर गुस्सा नहीं आता? तुम मरे हुए हो न – तुम तो मुर्दा हो।''

''मैं तो खुद ही कहता हूँ।''

तुम यह कहते ही तो हो, महसूस तो नहीं करते। क्या तुम महसूस करते हो कि तुम जिन्दा होते हुए भी एक लाश की तरह धीरे-धीरे गल रहे हो, बिथर रहे हो? थश रीश रश्रश्र वशलरूळपस ुळींह श्रळींश्रश रिंळिशपलश – श्रळींश्रश रिंळिशपलश... हमें तो कब का मरघट पहुँच जाना चाहिए था।

''वाकई कब का पहुँच जाना चाहिए था।'' डॉक्टर ने और अनमने कहा। ''समझ में नहीं आता तुम किस तरह जिन्दा हो, यह तो मौत है, डॉक्टर मौत!''

''मौत?'' विलास ने कुछ ही कदम चलने के बाद अपने-आपको झटककर छुड़ा लिया और करीब-करीब गिर ही पड़ा था। सँभलकर वह अपनी बहस जारी रखने के लिए एक सीली दीवार से सटकर खड़ा हो गया।

मुझे नहीं मालूम, नहीं मालूम – जब तक जिन्दगी से कोई ऊेशिश्रश्रळपस ऊेपींरलीं न हो, कोई कैसे जिन्दा रह सकता है।''

''नहीं रह सकता... लेकिन रहता ही है,'' – डॉक्टर अब वाकई ऊब गया था।

जिन्दा रहता है? हम लोग जिन्दा कहाँ रहते हैं। हम लाशों की तरह सड़ते-गलते रहते हैं। हमारा खून एक क्रूर कांसप्रेसी से पानी होता रहता है, तुम इसे जिन्दगी कहते हो। तुमसे आब-हवा गन्दी होती है। तुम इसे जिन्दगी कहते हो, जिन्दा चीजें तुमसे छूकर झुलस जाती हैं। तुम इसे जिन्दगी कहते हो डॉक्टर!'' उसने अपने स्वाभाविक चिड़चिड़ेपन से डॉक्टर का हाथ पकड़ते हुए कहा – 'इसे कौन जिन्दगी कहेगा? ...डॉक्टर मेरे पास एक छदाम नहीं है, एक सिगरेट नहीं... एक किताब नहीं जिसे मैं बेच सकूँ, इसलिए मैंने शराब पी ली... और इसके बाद। डॉक्टर, क्या मैं जानता नहीं कि इसके बाद अथाह प्रलय है।''

''चलो, क्या बेवकूफी है।'' डॉक्टर ने कुछ डाँटकर और कुछ हौसला बँधाते हुए कहा। अँधेरे में वह फिर रेंगते हुए चल दिए। तो भी शीत हवा की लपटें इधर-उधर लपलपा जाती थीं। गीली छतों और काले दरख़्तों के ऊपर बादल धूल के बगूलों की तरह उठ रहे थे... ऊपर... ऊपर। विलास बार-बार कीचड़ में फिसल जाता था। मोड़ पर तो वह गिर ही पड़ा था, अगर डॉक्टर ने उसे इतनी कठिनाई से सँभाल न लिया होता। बाएँ बाजू पर विलास के पूरे बोझे को रोके हुए डॉक्टर वाकई थक गया था – इतना कि एक सेकेंड में उसे यह सब अयथार्थ ख्वाब-सा मालूम होने लगा। वह जानता था बिलास का हाथ जो उसके हाथ में पड़ा हुआ है, काफी ऊँचा उठ गया है और वह करीब-करीब पीछे घिसट रहा है, पर वह बहुत थक गया था और उस मकान के साथ उसके मन में एक अजीब कुरूपता आ गयी थी। अपने हाथ को जरा... आराम देने में अजाने उसने विलास का हाथ और ऊँचा कर लिया और विलास ठोकर खाकर एकबारगी गिरा-गिरा हो गया। डॉक्टर'', जैसे विलास का दिमाग ठोकर खाकर एकबारगी बिचक गया हो, आओ,'' हम यह दुनिया त्याग दें, बुद्ध की तरह हम इसे त्याग दें... हुम्फ – आओ, हम इसकी किसी झूठे देवता के सामने कुर्बानी दे दें,'' और विलास की जबान लड़खड़ाने लगी थी... ''लेकिन मैं इस दुनिया को प्यार जो करता हूँ! डॉक्टर तुम जानते हो मैं तुम्हें कितना चाहता हूँ, लेकिन तुम तो मुर्दा हो...'' डॉक्टर ने एकबारगी चमककर कहा, शट'प,' और फिर जैसे धीरे-धीरे बच्चों की तरह सुबकने लगा।

विलास ने अपना हाथ छुड़ा लिया, मैं इसे प्यार करता हूँ। यह दुनिया विलास को नहीं चाहती, विलास ने अपनी जिन्दगी बरबाद कर दी, दुनिया की दुकानदारी में उसका साझा नहीं रहा; पर विलास इसी दुनिया के अनगिनत प्रोलीटे-प्रोलीतरीयत को प्यार करता है; क्योंकि उसे जीना है, जिन्दा रहना है।'' उसने डॉक्टर का, जो अनजाने उससे आ भिड़ा था, फिर हाथ पकड़ लिया। हाथ को संजीदगी से दबाते उसने डॉक्टर के मुँह के पास मुँह ले जाकर फुसलाने के स्वर में कहा – ''डॉक्टर, तुम समझते हो हमें जीना है, हमें जरूर जीना है, रात का जशन खत्म हो गया, सुबह को कागज की कन्दीलों की तरह हम लोग बुझे हुए फर्श पर पड़े हैं। पर देखना हम लोग फिर जल उठेंगे, डॉक्टर! डॉक्टर अब भी सुबक रहा था, वह बेहद ऊबा था। विलास हारकर चुपचाप चल दिया। दूर पर एक गीली छत पर सुबह की रमक ने एक बेशक्ल बादल बिथरा दिया था। सामने म्यूनिसिपैलिटी की लाल धुएँदार लालटेन जल रही थी। आँख की तरह, चिपकी, सूजी हुई आँख जिसमें सामने की रोशनी से खून का एक बूँद डबडबा उठा है। विलास उसे देखकर चिल्ला ही उठा – ''देखो, वह नई दुनिया की रोशनी है, उस दुनिया की जिसके लिए हम जिएँगे,'' और वह वाकई खड़ा होकर, एक पैर मोड़कर उसे हाथ जोड़ रहा था वैसे ही जैसा उसने अपनी हिस्टरी की किताबों में सूर्यपूजकों की शक्लें देखी थीं। पर डॉक्टर अब भी सुबक रहा था, बच्चों की तरह, बेहद ऊबे हुए बच्चे की तरह।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

चुंबकत्व

यात्रा पर हूँ और गाड़ी की प्रतीक्षा है। देख रहा हूँ कि कुछ दूर चहलकदमी कर रही चार- पाँच साल की एक बिटिया अपनी माँ से मोबाइल लेकर जाने किससे क्या-क्या बातें कर रही है। चपर-चपर बोल रही है। बीच-बीच में ज़ोर से हँसती है। ध्यान देने पर समझ में आया कि मोबाइल के दोनों छोर पर वही है। जो डायल कर रहा है, वही रिसीव भी कर रहा है। माँ के आवाज़ देने पर बोली, 'अरे मम्मा, फोन पर बात कर रही हूँ, झूठी-मूठी की बात...' और खिलखिला पड़ी। अलबत्ता उसके झूठमूठ में दुनिया भर की सच्चाई भरी हुई है। सच्चे मोबाइल पर सच्ची सहेली से बातें। सब कुछ इतना सुथरा, इतना पारदर्शी, इतना सच्चा कि मोबाइल सैटेलाइट की जगह मन के तारों से कनेक्ट हो रहा है।

छोटे बच्चों के चेहरे तपाक से कनेक्ट कर लेते हैं। निष्पाप, सदा हँसते, ऊर्जा से भरपूर। उनकी सच्चाई का कारण स्पष्ट है, जो डायल कर रहा है, वही रिसीव कर रहा है। भीतर-बाहर कोई भेद नहीं। भीतर-बाहर एक। द्वैत भीड़ में अद्वैत।

इस एकात्म 'डायलर-रिसीवर फॉर्मूले को क्या हम नहीं अपना सकते? याद कीजिए, पिछली बार अपने आप से कब बातचीत की थी? अपने आप से बात करना याने अपने सर्वश्रेष्ठ मित्र से बात करना, ऐसी आत्मा से बात करना जिससे अपना भीतर आ-बाहर कुछ भी छिपाया नहीं जा सकता। अपने आप से वार्तालाप याने परमात्मा से संवाद।

एकाएक बिना कोई नंबर फिराए अपने आप से बात कर रहा हूँ। अनुभव कर रहा हूँ कि यों चपर- चपर बोलना और खिलखिलाना ज़रा भी कठिन नहीं। भीतर नई ऊर्जा प्रवाहित हो रही है।

संभव है कि मेरी बातों से तुम मेरी ओर खिंचे चले आओ, पर सुनो! सदा लौह बने रहने के बजाय चुंबक बनने का प्रयास करो। खुद को डायल करो, खुद रिसीव करो, चुंबकत्व खुद तुम्हारे भीतर प्रवेश कर जाएगा।

बोध कथा

दो हंसों की कहानी

बहुत पुरानी बात है हिमालय में प्रसिद्ध मानस नाम की झील थी। वहां पर कई पशु-पक्षियों के साथ ही हंसों का एक झुंड भी रहता था। उनमें से दो हंस बहुत आकर्षक थे और दोनों ही देखने में एक जैसे थे, लेकिन उनमें से एक राजा था और दूसरा सेनापती। राजा का नाम था धृतराष्ट्र और सेनापती का नाम सुमुखा था। झील का नजारा बादलों के बीच में स्वर्ग-जैसा प्रतीत होता था।

उन समय झील और उसमें रहने वाले हंसों की प्रसिद्धी वहां आने जाने वाले पर्यटकों के साथ देश-विदेश में फैल गई थी। वहां का गुणगान कई कवियों ने अपनी कविताओं में किया, जिससे प्रभावित होकर वाराणसी के राजा को वह नजारा देखने की इच्छा हुई। राजा ने अपने राज्य में बिल्कुल वैसी ही झील का निर्माण करवाया और वहां पर कई प्रकार के सुंदर और आकर्षक फूलों के पौधों के साथ ही स्वादिष्ट फलों के पेड़ लगवाए। साथ ही विभिन्न प्रजाती के पशु-पक्षियों की देखभाल और उनकी सुरक्षा की व्यवस्था का आदेश भी दिया।

वाराणसी का यह सरोवर भी स्वर्ग-जैसा सुंदर था, लेकिन राजा के मन में अभी उन दो हंसों को देखने की इच्छा थी, जो मानस सरोवर में रहते थे। एक दिन मानस सरोवर के अन्य हंसों ने राजा के सामने वाराणसी के सरोवर जाने की इच्छा प्रकट की, लेकिन हंसों का राजा समझदार था। वह जानता था कि अगर वो वहां गए, तो राज उन्हें पकड़ लेगा। उसने सभी हंसों को वाराणसी जाने से मना किया, लेकिन वो नहीं माने। तब राजा और सेनापती के साथ सभी हंस वाराणसी की ओर उड़ चले।

जैसे ही हंसों का झुंड उस झील में पहुंचा, तो अन्य हंसों को छोड़कर प्रसिद्ध दो हंसों की शोभा देखते ही बनती थी। सोने की तरह चमकती उनकी चोंच, सोने की तरह ही नजर आते उनके पैर और बादलों से भी ज्यादा सफेद उनके पंख हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे।

हंसों के पहुंचने की खबर राजा को दी गई। उसने हंसों को पकड़ने की युक्ति सोची और एक रात जब सब सो गए, तो उन हंसों को पकड़ने कि लिए जाल बिछाया गया। अगले दिन जब हंसों का राजा जागा और भ्रमण पर निकला, तो वह जाल में फंस गया। उसने तुरंत ही तेज आवाज में अन्य सभी हंसों को वहां से उड़ने और अपनी जान बचाने का आदेश दिया।

अन्य सभी हंस उड़ गए, लेकिन उनका सेनापती सुमुखा अपने स्वामी को फंसा देख कर उसे बचाने के लिए वहीं रुक गया। इस बीच हंस को पकड़ने के लिए सैनिक वहां आ गया। उसने देखा कि हंसों का राजा जाल में फंसा हुआ है और दूसरा राजा को बचाने के लिए वहां खड़ा हुआ है। हंस की स्वामी भक्ति देखकर सैनिक बहुत प्रभावित हुआ और उसने हंसों के राजा को छोड़ दिया।

हंसों का राजा समझदार होने के साथ-साथ दूरदर्शी भी था। उसने सोचा कि अगर राजा को पता चलेगा कि सैनिक ने उसे छोड़ दिया है, तो राजा इसे जरूर प्राणदंड देगा। तब उसने सैनिक से कहा कि आप हमें अपने राजा के पास ले चलें। यह सुनकर सैनिक उन्हें अपने साथ राजदरबार में ले गया। दोनों हंस सैनिक के कंधे पर बैठे थे। हंसों को सैनिक के कंधे पर बैठा देखकर हर कोई सोच में पड़ गया। जब राजा ने इस बात का रहस्य पूछा, तो सैनिक ने सारी बात सच-सच बता दी। सैनिक की बात सुनकर राजा के साथ ही सारा दरबार उनके साहस और सेनापती की स्वामी भक्ति पर हैरान रह गया और सभी के मन में उनके लिए प्रेम जाग उठा।

राजा ने सैनिक को माफ कर दिया और दोनों हंसों को आदर के साथ कुछ और दिन ठहरने का निवेदन किया। हंस ने राजा का निवेदन स्वीकार किया और कुछ दिन वहां रुक कर वापस मानस झील चले गए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनुष्ठान

शनिवार को प्रयागराज में माघी पूर्णिमा के अवसर पर संगम में पवित्र डुबकी लगाने के बाद अनुष्ठान करते साधु-संत।

क्वाड इस बात की अभिव्यक्ति है कि हमारी पसंद पर कोई और 'वीटो' नहीं कर सकता: जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर वैश्विक चिंताओं के बीच कहा कि क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) इस बात की अभिव्यक्ति है कि समान विचारधारा वाले देशों की पसंद पर कोई अन्य वीटो का इस्तेमाल नहीं कर सकता और यह गठबंधन टिके रहने, विकास करने और वैश्विक समृद्धि में योगदान देने के लिए किया गया है।

जयशंकर ने एक थिंक-टैंक मंच को संबोधित करते हुए भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के गठबंधन को एक ओवरहेड लाइट (पथ प्रदर्शक प्रकाश पुंज) के रूप में वर्णित किया जो एक रचनात्मक, लचीला, सक्रिय, जवाबदेह और खुले दृष्टिकोण वाला उपक्रम है। विदेश मंत्री ने कहा कि 'क्वाड' एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था के विकास को दर्शाता है और इसका मुख्य दृष्टिकोण एकतरफा नहीं, सहयोगात्मक है। जिन सिद्धांतों के लिए यह चार देशों वाला क्वाड समूह खड़ा है, उनका जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा, सभी चारों देशों की सरकारों ने अपने सामान्य व्यवहार से अलग व्यवहार किया है। क्वाड एक 'ओवरहेड लाइट' है और रचनात्मक, लचीला, सक्रिय, जवाबदेह और व्यापक दृष्टिकोण वाला उपक्रम है। ये ऐसे विशेषण नहीं हैं जिन्हें हम नौकरशाही के साथ आम तौर पर जोड़ते हैं। जयशंकर ने कहा कि क्वाड के पांच संदेश हैं पहला संदेश है – यह बहुध्रुवीय व्यवस्था के विकास को दर्शाता है; दूसरा संदेश है – यह गठबंधन के बाद और शीत युद्ध के बाद की सोच है; तीसरा संदेश है– यह प्रभाव क्षेत्रों के खिलाफ है, चौथा संदेश है – यह वैश्विक क्षेत्र के लोकतंत्रीकरण और एकतरफा नहीं, बल्कि सहयोगात्मक दृष्टिकोण को व्यक्त करता है और पांचवां संदेश है – यह इस बात की अभिव्यक्ति है कि इस समय और इस दौर में हमारी पसंद पर कोई और 'वीटो' का इस्तेमाल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि क्वाड हिंद प्रशांत के उद्भव से जुड़ा है और यह ऐसी वैश्विक व्यवस्था में बदलाव से प्रेरित है जिसके लिए कम नहीं, अधिक सहयोग की आवश्यकता है।

विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि क्वाड यहां टिके रहने के लिए है, क्वाड यहां विकास करने के लिए है और क्वाड यहां योगदान देने के लिए है।

उन्होंने इसे और अधिक समसामयिक, प्रासंगिक और अधिक प्रभावशाली बनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में डिजिटल माध्यम से शामिल हुईं ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि क्वाड एक ऐसे क्षेत्र के लिए खड़ा है जहां किसी को डराया-धमकाया नहीं जाता, जहां प्रतिस्पर्धा को जिम्मेदारी से प्रबंधित किया जाता है और विवादों को अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार निपटाया जाता है।

खरीददारी

तिरुवनंतपुरम में शनिवार को महिलाओं की सबसे बड़ी वार्षिक सभा,अट्टुकल पोंगाला के लिए महिला श्रद्धालु बर्तन खरीदती हुई।

फलस्तीनी क्षेत्र में नयी इजराइली बस्तियां बसाना अवैध : अमेरिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चाल्सर्टन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि वेस्ट बैंक में नयी इजराइली बस्तियां अवैध हैं और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप नहीं हैं। ब्लिंकन का यह बयान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल के दौरा अपनाए गए अमेरिकी रुख के विपरीत है। अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में विदेश मंत्री डायना मोनडिनो के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ब्लिंकन ने कहा कि बस्तियों के विस्तार की इजराइल की नयी योजना से वह निराश हैं। ब्लिंकन ने एक सवाल के जवाब में कहा, हमने खबरें देखी हैं और मैं कहना चाहता हूं कि हम घोषणा से निराश हैं। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के प्रशासन के दौरान लंबे समय से अमेरिका की नीति रही है कि नयी बस्तियां स्थायी शांति के लिहाज से प्रतिकूल हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा ये अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार भी नहीं हैं।

हमारा प्रशासन बस्तियों के विस्तार का कड़ा विरोध करता रहा है। और हमें लगता है कि इससे इजराइल की सुरक्षा मजबूत नहीं बल्कि कमजोर होगी। इससे एक दिन पहले इजराइल के धुर दक्षिणपंथी वित्त मंत्री बेलालेल स्मोटरिच ने बस्तियों में तीन हजार से अधिक मकान बनाने का संकेत दिया था। ब्लिंकन का यह बयान पूर्व विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो के रुख के विपरीत है। बाइडन प्रशासन का यह रुख पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इजराइल समर्थक नीतियों से भी अलग है।

ट्रंप प्रशासन के दौरान 2019 में तत्कालीन विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो ने दावा किया था कि वेस्ट बैंक में इजराइली नागरिक बस्तियां बसाया जाना अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ नहीं है। यह हालांकि स्पष्ट नहीं हो पाया है कि तीन साल से अधिक कार्यकाल होने पर ब्लिंकन ने पॉम्पियो के फैसले को पलटने के लिए यह समय क्यों चुना है।

भारतीय युद्धपोत ने अदन की खाड़ी में एक व्यापारिक जहाज की सहायता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। अदन की खाड़ी में एक संदिग्ध ड्रोन या मिसाइल हमले के बाद एक व्यापारिक जहाज में आग लगने पर एक भारतीय युद्धपोत ने उसे सहायता प्रदान की। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि 'एमवी आइलैंडर' पर बृहस्पतिवार को हमला हुआ जिसमें जहाज के चालक दल का एक सदस्य घायल हो गया। उन्होंने बताया कि नौसेना की एक विस्फोटक आयुध निपटान टीम पोत पर गई और उसे संभावित जोखिम से बचाया। इसके बाद पोत को आगे की यात्रा की मंजूरी दी गई। हमले की यह घटना हूती उग्रवादियों द्वारा लाल सागर में विभिन्न वाणिज्यिक जहाजों पर किये जा रहे हमलों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच हुई है। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना की एक चिकित्सा टीम भी 'एमवी आइलैंडर' पर पहुंची और उसने घायल चालक दल के सदस्य को चिकित्सा सहायता प्रदान की।

'योद्धा' का पहला रोमांटिक सॉन्ग 'ज़िंदगी तेरे नाम' लॉन्च!

मुंबई/एजेन्सी

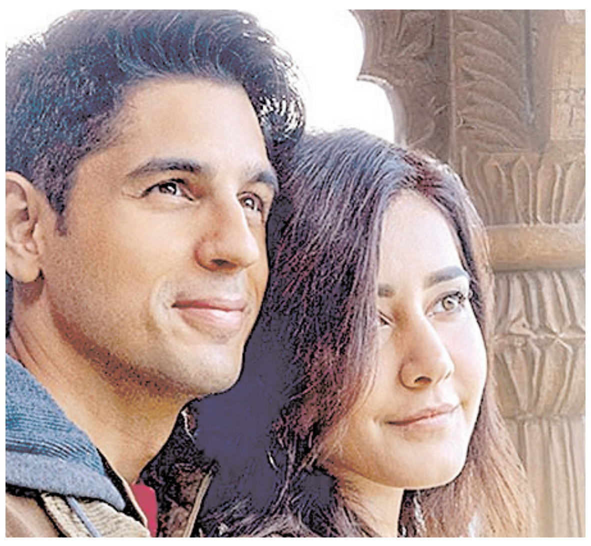

सिद्धार्थ मल्होत्रा और राशि खन्ना अभिनीत फिल्म योद्धा के पहले रोमांटिग सॉन्ग ज़िंदगी तेरे नाम ने अपने धमाकेदार लांच के साथ सभी को रोमांचित कर दिया है। शनिवार को जयपुर के आयनॉक्स, जीटी सेंट्रल मॉल में आयोजित एक शानदार कार्यक्रम में धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस एक्शन थ्रिलर फ़िल्म के पहले गाने की लॉन्चिग की गई। विशाल मिश्रा की आवाज में गाने की खूबसूरत धुन और मंत्रमुग्ध कर देने वाले बोल, दर्शकों को एक रोमांस की दुनिया में ले जाने का काम करते हैं। गाने के वीडियो में सिद्धार्थ और राशि की रोमांटिक केमिस्ट्री देखते ही बनती है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों कलाकारों ने बताया कि यह गाना फिल्म के रोमांटिक पल को खास बनाता है और फिल्म की कहानी को एक नया मोड़ देता है।

'ज़िंदगी तेरे नाम' को लेकर सिद्धार्ध मल्होत्रा ने कहा कि यह गाना मेरे लिए बहुत खास है। यह प्यार और समर्पण की भावना को दर्शाता है। मुझे उम्मीद है कि यह गाना दर्शकों को पसंद आएगा और उनके दिलों को छू जाएगा। इसे लेकर राशि खन्ना ने कहा कि 'ज़िंदगी तेरे नाम' सिर्फ शब्द नहीं, एक एहसास है। प्यार में डूबे दिल की धड़कन से जुड़ा यह गाना योद्धा में प्यार की कहानी बयान करता है।

बता दें कि 'योद्धा' एक रोमांचक कहानी है जिसमें देशभक्ति, वीरता और प्यार का एक खूबसूरत मिश्रण देखने को मिलेगा। 15 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही फिल्म का निर्देशन सागर आम्ब्रे और पुष्कर ओझा ने किया है। वहीं, फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और राशि खन्ना के साथ दिशा पाटनी भी अहम किरदार में नजर आएंगी।

बेटियों के गुजारा भत्ते की राशि पाने के लिए नीतीश भारद्वाज की पत्नी अदालत पहुंचीं

भोपाल/एजेन्सी

अभिनेता नीतीश भारद्वाज की आईएएस पत्नी स्मिता भारद्वाज ने मुंबई की एक पारिवारिक अदालत में आवेदन देकर आग्रह किया है कि उनके पति लंबे समय से अपनी बेटियों को प्रतिमाह दस-दस हजार रुपये नहीं दे रहे हैं इसलिए उनकी संपत्ति बेच दी जाए। स्मिता का अपने पति के खिलाफ तलाक का मामला चल रहा है। उनके वकील चिन्मय वैद्य ने मुंबई के बांद्रा में एक पारिवारिक अदालत में 'दरख्वास्त' देने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि प्रति बेटी 10,000 रुपये यानी दो बेटियों के लिए प्रतिमाह 20,000 रुपये के अंतरिम आदेश पर दिसंबर 2022 से बहुत बकाया हो गया है जिसे प्राप्त करने की कार्यवाही की गयी है। दिसंबर, 2022 से यह राशि नहीं दी गयी है, इसलिए मुझे अपनी मुवक्किल की ओर से आवेदन दायर करना पड़ा।'' इस बारे में पूछे जाने पर नीतीश भारद्वाज ने व्हाटसअप पर जवाब में कहा, '' मुझे अपने वकील से पता करना होगा कि क्या उसने (मेरी पत्नी ने) कोई ऐसा आवेदन दायर किया है।...'' इस महीने के प्रारंभ में नीतीश भारद्वाज ने भोपाल के पुलिस आयुक्त से शिकायत की थी कि उनकी पत्नी ने उनकी दोनों बेटियों का 'अपहरण' कर लिया है और वह उन्हें उनसे मिलने नहीं दे रही हैं। नीतीश भारद्वाज ने 'महाभारत' धारावाहिक में भगवान कृष्ण की भूमिका निभायी थी। स्मिता भोपाल में अवर मुख्य सचिव पद पर नियुक्त हैं।

'क्रू' के पोस्टर्स को देखने के बाद दर्शकों ने की हॉलीवुड फिल्म से तुलना

मुंबई/एजेन्सी

करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन की फिल्म क्रू काफी सुर्खियों में है। शुक्रवार को फिल्म के पोस्टर रिलीज हुए हैं। तीनों एक्ट्रेसेस के 3 पोस्टर रिलीज हुए हैं और सभी को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब शनिवार को फिल्म का टीजर रिलीज होगा। हालांकि उससे पहले ही फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। तीनों पोस्टर्स को देखने के बाद कुछ यूजर्स ने इसे एक हॉलीवुड फिल्म से कम्पेयर किया है।यूजर्स ने कमेंट किए, ऐसी फीलिंग आ रही है चार्ली एंजेल्स का इंडियन वर्जन है। क्या हमें रीमेक मिलेगा। वहीं एक ने लिखा कि यार बस कॉपी मत करना, हमें रियल कंटेंट चाहिए। वहीं कुछ ने फिल्म का सपोर्ट किया है। एक ने लिखा कि जबरदस्ती कॉपी मत बोलो, स्टोरी कॉन्सेप्ट अलग है। एक ने लिखा कि इसमें तीनों क्रू मेंबर्स हैं और वो स्टोरी अलग थी तो लगता नहीं कि दोनों फिल्में एक-जैसी होंगी। वहीं एक ने लिखा कि जबरदस्ती रीमेक मत बोलो। फिल्म के पोस्टर्स की बात करें तो एक में तीनों एक्ट्रेसेस एयर होस्टेस के लुक में नजर आ रही हैं। एक में तीनों ने साड़ी पहनी है और एक फोटो में तीनों ग्लैमरस लुक में नजर आ रही हैं। बता दें कि फिल्म में करीना, कृति और तब्बू के अलावा दिलजीत दोसांझ भी लीड रोल में हैं। फिल्म को राजेश ए कृष्णन ने डायरेक्ट किया है और इसे बालाजी टेलिफिल्मस और अनिल कपूर फिल्म ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म एकता कपूर और रिया कपूर के बीच दूसरा कोलेब्रेशन है। इससे पहले दोनों ने साल 2018 में वीरे दी वेडिंग बनाई थी। यह फिल्म सुपरहिट थी जिसमें करीना कपूर, सोनम कपूर, स्वरा भास्कर, शिखा तलसानिया लीड रोल में थे।

किस्मत की लकीरों से में दिखेंगी अभिनेत्री शैली प्रिया

मुंबई/एजेन्सी

शेमारू उमंग का लोकप्रिय शो 'किस्मत की लकीरों से' अपनी आकर्षक कहानी और किरदारों से दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा है। इसी प्रकार शो के आने वाले एपिसोड्स में दर्शकों को जल्द ही कुछ नया देखने को मिलने वाला है। शो में श्रद्धा का मुख्य किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शैली प्रिया जल्द ही देवी के रूप में नज़र आने वाली हैं। इससे इसकी कहानी और श्रद्धा के जीवन में कई नई परतें जुड़ जाएँगी। शो के हालिया एपिसोड में, अभय की याददाश्त वापस आने के बाद, श्रद्धा और अभय के रिश्ते मजबूत हो गए हैं, जिससे रोशनी काफी निराश है। उनकी बढ़ती नजदीकियों को स्वीकार करने में असमर्थ रोशनी उन्हें अलग करने के लिए कई नई योजनाएँ बना रही है, जहाँ वह श्रद्धा और अभय के बीच दरार पैदा करने के लिए श्रद्धा को एक दिव्य शक्ति, एक देवी का रूप घोषित करने की योजना बनाती है। रहस्यमय युक्तियों का उपयोग करते हुए, रोशनी, श्रद्धा की अलौकिक शक्तियों को प्रदर्शित करने के लिए परिस्थितियों में कई हेरफेर करती है, जिससे लोगों का इस बात पर विश्वास गहरा हो जाता है कि वह वास्तव में देवी है।

शो में अपने किरदार के विकास और नए अवतार के बारे में चर्चा करते हुए अभिनेत्री शैली प्रिया ने कहा कि किस्मत की लकीरीन से, शो में श्रद्धा की भूमिका निभाना मेरे लिए एक बेहतरीन और असाधारण अनुभव है। मुझे इस बात की खुशी है कि मेरा किरदार दर्शकों को मनोरंजक अनुभव प्रदान करने के लिए लगातार विकसित हो रहा है। यह नया रूप सामान्य श्रद्धा से अलग है और मेरे इस नए रूप को तैयार करने में सबसे अधिक समर्पण मेरी टीम का रहा है। मुझे व्यक्तिगत रूप से मेरे किरदार का यह नया रूप काफी आकर्षक लगा है और मैं इस अवतार को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।

वे आगे कहती हैं कि आने वाले एपिसोड में मेरे किरदार का यह नया पहलू, अपनी अप्रत्याशित चुनौतियों और परिवर्तनों के साथ दर्शकों के सामने आएगा और मैं दर्शकों से यही कहना चाहूँगी कि इस शो में आने वाला अनोखा ट्विस्ट दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेगा। यह शो अपनी दिलचस्प कहानी और मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने का वादा करता है। श्रद्धा की इस अनोखी जीवन यात्रा से जुड़ें और देखें 'किस्मत की लकीरों से' शो हर सोमवार से शनिवार, रात 8:00 बजे, सिर्फ शेमारू उमंग पर।

दक्षिण भारतीय फिल्मों में डेब्यू को लेकर उत्साहित है जान्हवी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री जान्हवी कपूर दक्षिण भारतीय फिल्मों में डेब्यू को लेकर उत्साहित है। जान्हवी कपूर एनटीआर जूनियर की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'देवरा: भाग 1' के जरिये दक्षिण भारतीय फिल्मों में डेब्यू करने जा रही है। यह फिल्म कोराताला शिव द्वारा निर्देशित और युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित और नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत की गई है। जान्हवी कपूर फिल्म 'देवरा: भाग 1' के जरिये दक्षिण भारतीय फिल्मों में डेब्यू को लेकर उत्साहित है।जान्हवी पूर ने बताया कि उन्हें बहुत खुशी है कि वह इस फिल्म का हिस्सा हैं क्योंकि इस फिल्म के जरिए वह केवल अपनी जड़ों के करीब आ रही हैं और तेलुगु सीख रही हैं।

आयुष्मान खुराना ने महाकालेश्वर मंदिर में लिया आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता आयुष्मान खुराना आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़े हैं। उन्होंने भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर का दौरा किया। गौरतलब है कि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग शिव को समर्पित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। 'आर्टिकल 15' फेम अभिनेता ने सोशल मीडिया पर मंदिर की अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में आयुष्मान पीले रंग की हाफ स्लीव्स टी-शर्ट और ब्लैक कार्गो पैंट पहने नजर आ रहे हैं। उन्होंने गले में एक स्टोल पहना था, जिस पर लिखा था जय महाकाल। उन्होंने फूलों की माला के साथ गले में रुद्राक्ष की माला भी पहनी हुई है। तस्वीर में आयुष्मान को नंदी के कानों में अपनी इच्छाएं फुसफुसाते हुए दिखाया गया है। दूसरी तस्वीर में वह अपने हाथों में प्रसाद पकड़े हुए हैं, जबकि आखिरी तस्वीर मेंअभिनेता को मंदिर की मंत्रमुग्ध कर देने वाली पृष्ठभूमि के सामने पोज देते हुए दिखाया गया है।

पोस्ट का शीर्षक है: आभार। उन्होंने अपनी पोस्ट को 'शिव कैलाशो के वासी' का तराना दिया है। पेशेवर मोर्चे पर, आयुष्मान को आखिरी बार कॉमेडी ड्रामा 'ड्रीम गर्ल 2' में देखा गया था। फिल्म में अनन्या पांडे हैं। उन्होंने 'एन एक्शन हीरो' में भी अभिनय किया।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शनिवार को मंदिर प्रांगण में भगवान महावीर गौशाला के मूक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर के गौशाला में भिजवाई गई।

नाटक

लोकप्रिय नाटक प्रियदर्शी अशोक का दसवां मंचन 1 मार्च को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जानेमाने लेखक, रंगकर्मी तथा नाट्य निर्देशक मथुरा कलौनी की संस्था 'कलायन' के तत्वावधान में आगामी 1 मार्च को लोकप्रिय नाटक 'प्रियदर्शी अशोक' का पुनर्मंचन होने जा रहा है। गतवर्ष 2023 में बेंगलूरु इंटरनेशनल सेंटर तथा जागृति, ह्वाइटफील्ड में सफल मंचन के बाद अब नाटक का 10 वाँ मंचन कलाद्वारका, कोरमंगला में शुक्रवार 1मार्च को सायं 7:30 बजे होने वाला है जिसकी टिकटें bookmyshow.com पर उपलब्ध हैं।

नाकट के लेखक, निर्देशक मथुरा कलौनी कहते हैं...'इतिहासकारों ने अशोक को क्रूर और आततायी बताया है। कलिंग युद्ध तक उसे एक क्रूर चंडाशोक बताया गया है। कलिंग युद्ध के पश्चात उसका हृदय-परिवर्तन हुआ और वह चंडाशोक से धर्माशोक बन गया। मुझे लगा कि ऐसा बतानेवाले इतिहासकार या तो स्वयं दिग्भ्रमित थे या किसी पूर्वाग्रह से ग्रसित थे। हमारा मानना है कि एक विशाल और विविध साम्राज्य को एक सूत्र में बाँधने वाला सम्राट एक संयमहीन, क्रोधी स्वभाव वाला तथा अस्थिर मनःस्थिति वाला नहीं हो सकता है। इन्हीं बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए इस नाटक की रचना की गयी है। मौर्यकुलगौरव देवनंप्रिय प्रियदर्शी सम्राटअशोक के जीवन और काल में झाँकने का हमारा यह एक लघु प्रयास है।'

उषारानी राव को मिलेगा साहित्य भूषण सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की चिरपरिचित लेखिका, शब्द साहित्यिक संस्था की महासचिव डा. उषा रानी राव को साहित्य भूषण सम्मान के लिए चुना गया है। बीपीए फाउन्डेशन एवं इंडिया नेटबुक्स दिल्ली के संयुक्त प्रयास से प्रत्येक वर्ष साहित्यिक क्षेत्र में निरन्तर योगदान के लिए विभिन्न विधाओं के अंतर्गत सम्मान दिए जाते हैं। भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में निरन्तर सक्रिय एवं कन्नड़ एवं हिन्दी के बीच पुल के रूप कार्य कर रही डा. उषारानी राव को वर्ष 2023 का जनकदुलारी मिश्रा साहित्य भूषण सम्मान एक भव्य समारोह में 9 मार्च को दिया जाएगा ।

ज्ञातव्य है कि इनकी हिन्दी और कन्नड़ में अनेक अनुवाद पुस्तकों के अलावा कर्नाटक के संत कवि कनकदास पर हिन्दी में खण्ड काव्य भी प्रकाशित है। उषारानी ने हिंदी पुस्तकों का कन्नड़ में और कन्नड़ पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद कर दोनों भाषाओं पर बड़ा उपकार किया है और इन भाषाओं के बीच एक सेतु की भूमिका का निर्वाह किया है।

गदग महावीर गौशाला के लिए एकत्र की गई खाद्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शनिवार को मंदिर प्रांगण में भगवान महावीर गौशाला के मूक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर के गौशाला में भिजवाई गई। इस मौके पर संघ के रणजीत गुरुजी ने कहा कि हम सभी को दान में आगे रहना चाहिए। दान का शाब्दिक अर्थ है 'देने की क्रिया'। सभी धर्मों में सुपात्र को दान देना परम कर्तव्य माना गया है। संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ ने बताया कि पूर्णिमा के दिन अपने अपने घर से लोग गौशाला के लिए रोटी, केले, गुड़,समेत कई खादय सामग्री लाते है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफ़ना ने इस सेवा कार्य मे सहयोग देने वालों का आभार व्यक्त किया। इस गौसेवा कार्य में विनोद फोलामुथा, मनीष भंसाली, भवर गादिया, गुणवन्तिदेवी गादिया, श्यामलतादेवी श्रीश्रीमाल, आरती गादिया, हेमा गादिया, सपना भंसाली समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

निर्मला सीतारमण ने मुंबई में लोकल ट्रेन से यात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को मुंबई के घाटकोपर से पड़ोसी ठाणे जिले में कल्याण स्टेशन तक एक लोकल ट्रेन से यात्रा की।

मंत्री ने मुंबई महानगर क्षेत्र की 'जीवनरेखा' कही जाने वाली लोकल ट्रेन से की गई अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें भी 'एक्स' पर पोस्ट कीं।

सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, सीतारमण ने 30 किलोमीटर की यात्रा के दौरान यात्रियों के साथ बातचीत की। मुंबई क्षेत्र में प्रतिदिन 65 लाख से अधिक लोग उपनगरीय ट्रेन से यात्रा करते हैं।

मंदिर के साथ प्रभु को मन मंदिर में प्रतिष्ठित करना बहुत जरुरी : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिव्वमोग्गा। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर जैन संघ में पहुंचे आचार्यश्री महेन्द्रसागसूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि मंदिर में जिनेश्वर परमात्मा की प्रतिष्ठा यानी धर्म के प्रति आस्था। आस्था में वृद्धि से दान, शील, तप और भाव धर्म में वृद्धि होती है। प्रभु की मंदिर में प्रतिष्ठा कराने के साथ साथ हमें प्रभु को हृदय मंदिर में भी करनी चाहिए। मंदिर में प्रतिष्ठा के लाभ के लिए धन त्याग करना पड़ता है और हृदय में प्रतिष्ठा के लिए कषायों- पापों का विसर्जन चाहिए। मंदिर में प्रतिष्ठा करना सरल है किन्तु हृदय मंदिर में प्रभु प्रतिष्ठित करना बहुत मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। हमें बस श्रद्धा व आस्था रखना जरुरी है।

बसवनगुड़ी आराधना भवन में हुई दादा गुरुदेव की विशेष पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिलभारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों साध्वीश्री सुलोचनाश्री की निश्रा में आराधना भवन में पूर्णिमा के मौके पर दादागुरुदेव की विशेष पूजा की गई। लाभार्थी संघमाता इचरजबाई चम्पालाल विजयराज डोशी परिवार के सहयोग से विधि विधान से पूजा की गई।

परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने सभी का स्वागत किया। परमेश्वरी संखलेचा ने धन्यवाद दिया। इस पूजा में बड़ी संख्या में महिला सदस्याएं उपस्थित थीं।

कल प्रधानमंत्री 554 अमृत स्टेशनों की रखेंगे आधार शिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दक्षिणी रेलवे में, 44 अमृत भारत स्टेशनों की आधारशिला रखी जाएगी, और 193 आरओबी/आरयूबी की आधारशिला रखी जाएगी या समर्पित की जाएगी। प्रधानमंत्री वस्तुतः 554 अमृत भारत स्टेशनों की आधारशिला रखेंगे और 1500 रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज की आधारशिला राष्ट्र को समर्पित/शिलान्यास करेंगे। इस मेगा इवेंट की योजना पूरे भारत में 2000 स्थानों पर बनाई गई है।

दक्षिणी रेलवे में, 44 अमृत भारत स्टेशनों की आधारशिला रखी जाएगी, और 193 आरओबी/आरयूबी की आधारशिला रखी जाएगी या समर्पित की जाएगी। इस भव्य आयोजन के हिस्से के रूप में, दक्षिण रेलवे 26 फरवरी, को पूरे जोन में 237 स्थानों/रेलवे स्टेशनों पर औपचारिक समारोह आयोजित करेगा।

एसआर में अमृत भारत स्टेशन

26 फरवरी को प्रधान मंत्री दक्षिणी रेलवे में 44 रेलवे स्टेशनों की आधारशिला रखेंगे जिनमें चेन्नई बीच, चेन्नई पार्क, अंबत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, गुइंडी, माम्बलम, मेट्टुपालयम, कोयंबटूर उत्तर, इरोड, मोरप्पुर, डिंडीगुल, तूतीकोरिन, तिरुचेंदूर, मयिलादुतुरै, कुंभकोणम, वृद्धाचलम, चेंगन्नूर, त्रिशूर, गुरुवयूर, ओट्टापलम, नीलांबुर रोड और कन्नूर, अन्य शामिल हैं।

तमिलनाडु में कुल 75 स्टेशन को 4100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से अमृत भारत स्टेशन की इस पहल के तहत लिया जा रहा है। इनमें से तमिलनाडु में 18 स्टेशनों पर चरण-1 का कार्य प्रगति पर है, जिसकी आधारशिला अगस्त 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई थी। अब, 26 फरवरी को प्रधानमंत्री 32 अमृत स्टेशनों की आधारशिला रखेंगे।

केरल में कुल 35 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन की इस पहल के तहत तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से लिया जा रहा है। इनमें से 7 स्टेशनों पर चरण-1 का कार्य प्रगति पर है, जिसकी आधारशिला अगस्त 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई थी। अब, 26 फरवरी को प्रधान मंत्री 10 अमृत स्टेशनों की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री दक्षिणी रेलवे में 193 आरओबी/आरयूबी का लोकार्पण/शिलान्यास करेंगे।

प्रभु की वाणी हमारा ताप और संताप हरने में सक्षम : आचार्य विज्ञानप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी ने कहा कि प्रभु की वाणी हमारा ताप और संताप हरने में सक्षम होती हैं। हमें धर्म आराधना इस वाणी में लीन और तल्लीन हो कर करनी चाहिए। आचार्य ने कहा कि देव,गुरु और धर्म पर चिन्तन करना ही धर्म ध्यान हैं।

जो प्रभु वचन में अनुरक्त हो जाता हैं वह अपना संसार भ्रमण सीमित कर लेता है। वाणी सुन कर उस पर आचरण करना और स्वयं को सर्व कषाय मल से रहित करना तथा क्लेश रहित बनना ही वाणी सुनने का सार हैं। अलसूर जैन संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया ने सभी का स्वागत किया।

पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गविपुरम गरडि मने एवं हिंदू सोशल रिपोर्टर के संयुक्त तत्वावधान में गविपुरम खेल मैदान में कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि महेन्द्र मुणोत व मंजूनाथभारती स्वामीजी ने विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरित किए।

न्याय यात्रा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी शनिवार को मुरादाबाद में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान समर्थकों से मिलते हुए।

जैमिनी संकेतों का जवाब देने में हमेशा भरोसेमंद नहीं: गूगल, मोदी पर चैटबॉट की प्रतिक्रिया के बाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी गूगल ने कहा है कि उसका एआई चैटबॉट वर्तमान घटनाओं और राजनीतिक विषयों से संबंधित कुछ संकेतों का जवाब देने में हमेशा भरोसेमंद नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर एक सवाल के जवाब में एआई टूल 'जैमिनी' की आपत्तिजनक प्रतिक्रिया और पूर्वाग्रह को लेकर गूगल को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। गूगल ने शनिवार को कहा कि उसने इस मुद्दे का समाधान करने के लिए तेजी से काम किया है।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को चेतावनी दी थी कि प्रधानमंत्री से जुड़े एक सवाल पर गूगल के एआई टूल जैमिनी की प्रतिक्रिया आईटी नियमों के साथ ही आपराधिक संहिता के कई प्रावधानों का सीधा उल्लंघन है। एक पत्रकार के सत्यापित खाते से लिखा गया था कि मोदी पर क सवाल के जवाब में गूगल जैमिनी की प्रतिक्रिया पक्षपात से भरी है। इस पर संज्ञान लेते हुए आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने यह बात कही।

जैमिनी से जब इसी तरह का सवाल ट्रंप या जेलेंस्की के बारे में पूछा गया, तो उसने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। गूगल के प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा, हमने इस मुद्दे को हल करने के लिए तेजी से काम किया है। गूगल ने आगे कहा कि जैमिनी को रचनात्मकता और उत्पादकता उपकरण के रूप में बनाया गया है और ये हमेशा भरोसेमंद नहीं हो सकता है, खासकर जब वर्तमान घटनाओं, राजनीतिक विषयों या समसामयिक खबरों के बारे में कुछ संकेतों का जवाब देने की बात आती है।

प्रवक्ता ने कहा, इस बारे में हम लगातार सुधार करने पर काम कर रहे हैं। इससे पहले, मंत्री ने मामले में आगे की कार्रवाई का संकेत देते हुए पोस्ट को गूगल और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय को टैग किया था। चन्द्रशेखर ने सोशल मीडिया मंच पर एक पत्रकार का स्क्रीनशॉट शेयर किया है, जिसमें जैमिनी से मोदी को लेकर एक सवाल पूछा गया था। जवाब में, जेमिनी ने उनके बारे में अशोभनीय टिप्पणियां कीं, लेकिन जब वही सवाल ट्रंप और जेलेंस्की के बारे में किया गया, तो वह सतर्क हो गया।

जेवाईएस के प्रतिनिधि मंडल ने संतों के किए दर्शन

महावीरस्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने का किया निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन युवा संगठन(जेवाईएस) के अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा के नेतृत्व में उपाध्यक्ष महावीर मुणोत, मंत्री मदन मुणोत, सहमंत्री विशाल गुगलिया, कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल, साधु साध्वी समिति चेयरमैन राकेश बोहरा, सुनील लोढ़ा, कमलेश कोटरिया, मंत्री मदन मुणोत ने श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने के शहर में विचरित विभिन्न साधु साध्वियों के दर्शन किए।

उसी कड़ी में जेवाईएस के प्रतिनिधि मंडल ने जैन स्थानक यशवंतपुर में विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी म.सा. व तेरापंथ भवन यशवंतपुर में विराजित साध्वीश्री लावण्याश्रीजी के दर्शन कर जन्मकल्याणक में शामिल होने का निवेदन किया। अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा सभी संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा अन्य पदाधिकारियों ने जेवाईएस की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com